राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार, 22फ़रवरी 2021 वर्ष-4, अंक -30 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linkedin
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

आत्मनिर्भर भारत अभियान का असर? कोरोना काल में इतना बढ़ा एक्सपोर्ट कि कम पड़ रहे कंटेनर

नई दिल्ली। देश में शुरू हुई आत्मनिर्भर भारत की पहल से भारत को फायदा मिलता दिखाई दे रहा है। देश का एक्सपोर्ट लगातार बढ़ रहा है और इंपोर्ट में कमी देखने को मिल रही है। चूंकि एक्सपोर्ट बढ़ रहा है तो भारत से सामान दूसरे देशों में जाएगा, ऐसे में भारत को सामान ले जाने वाले कंटेनर की कमी से जूझना पड़ रहा है। बता दें कि देश में कंटेनर्स की कमी देखने को मिल रही है ये वही कंटेनर्स हैं जिनमें सामान भरके भेजा जाता है। विदेश भेजने के लिए सामान को इन बड़े कन्टेनर में डालकर जहाज में भरा जाता है। आयात-निर्यात की प्रक्रिया में आए इस बड़े बदलाव का कारण है देश की पहल आतमनिर्भर भारत। जिसके तहत देश में निर्माण को बढ़ावा दिया गया है. पीएम मोदी की ये पहल देश को उद्योग जगत में आगे ले जाने के लिए शुरू की गई थी जिसे अब कामयाबी मिलती दिखाई दे रही है। मुंबई मिरर से बात करते हुए शिपिंग के डायरेक्टर जनरल अमिताभ कुमार ने कहा, भारत के पास लगभग 15 लाख कंटेनर हैं। अब आत्मनिर्भर भारत के कारण इंपोर्ट में कमी आई है. जबकि एक्सपोर्ट में भारी उछाल देखा गया है। हम कंटेनर की कमी से जूझ रहे हैं। हमें अभी एक लाख नए कंटेनर मिल गए हैं लेकिन आगे और कंटेनर की जरूरत पड़ेगी। इससे पहले भारत में इंपोर्ट ज्यादा होता था और एक्सपोर्ट कम हुआ करता था। भारत में जुलाई 2020 से दिसंबर 2020 के दौरान निर्यात में 18 प्रतिशत का इजाफा हुआ है और आयात में 24 प्रतिशत की गिरावट हुई है। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक जनवरी 2021 में भी भारत के निर्यात में 6.16 प्रतिशत का इजाफा देखा गया है। देश में 10-15 प्रतिशत कंटेनर हमेशा खाली पड़े रहा करते थे। अमिताभ ने कहा, हमारे पास कई खाली कंटेनर होते थे लेकिन अगस्त 2020 के बाद से चीजें बदल गईं। एक्पोर्ट्स में बहुत बढ़ोतरी हुई है।

कोरोना देश में:एक्टिव केस बढ़ने के बाद पुणे में नाइट कर्फ्यू

स्कूल-कॉलेज 28 फरवरी तक बंद; मुंबई समेत 3 और शहरों में सख्ती की तैयारी

नई दिल्ली। देश में एक बार फिर से कोरोना मरीजों के आंकड़े परेशान करने वाले आ रहे हैं। सबसे ज्यादा महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, पुडुचेरी, त्रिपुरा और चंडीगढ़ में मरीजों की संख्या बढ़ रही है। केरल में पिछले तीन दिनों से हालात में सुधार हुआ है।

उधर, मरीजों की संख्या बढ़ता देख महाराष्ट्र सरकार ने एक बार फिर से राज्य के कई शहरों में सख्ती की तैयारी शुरू कर दी है। पुणे जिला प्रशासन ने नाइट कर्फ्यू लगा दिया है। यहां रात 11 से सुबह 6 बजे तक लोगों को घरों से निकलने पर रोक लग गई है। केवल इमरजेंसी में निकलने की इजाजत होगी। स्कूल-कॉलेज भी 28 फरवरी तक बंद कर दिए गए हैं। पुणे के बाद अब नागपुर, अमरावती, यतवामल और मुंबई में भी नाइट कर्फ्यू लगाने की तैयारी शुरू हो गई है। राज्य के मंत्री विजय वेड्डेटीवार ने भी इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री से बैठक में इसपर फैसला हो जाएगा।

केंद्र सरकार ने फिर टेस्टिंग बढ़ाने का आदेश दिया-पूरे देश में हर दिन होने वाली टेस्टिंग में पिछले एक महीने में 5 लाख की गिरावट दर्ज की गई है। दिसंबर तक जहां, हर दिन 11 लाख के करीब लोगों की जांच होती थी, वहां अब औसतन 6 लाख लोगों का टेस्ट हो रहा है। राज्यों में कोरोना केस बढ़ने का एक बड़ा कारण टेस्टिंग की संख्या कम करना भी है। अब फिर से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इन सभी 9 राज्यों और केंद्र शासित राज्य सरकारों को पत्र लिखकर टेस्टिंग बढ़ाने का आदेश दिया है। मंत्रालय ने कहा है कि टेस्टिंग के

जरिए ज्यादा से ज्यादा कोरोना संक्रमितों को ट्रेस किया जाए ताकि संक्रमण को फिर से फैलने से रोका जा सके।

टॉप-15 संक्रमित देशों में फिर शामिल हुआ भारत-कोरोना पर परेशान करने वाली खबर है। देश एक बार फिर दुनिया के उन 15 देशों की सूची में शामिल हो गया है, जहां कोरोना के सबसे ज्यादा एक्टिव केस हैं। मतलब ऐसे मरीज जिनका इलाज चल रहा है, बाकी या तो ठीक हो चुके हैं या फिर उनकी मौत हो गई है। भारत इस सूची में 15वें नंबर पर आ गया है। 30 जनवरी को पुर्तगाल, इंडोनेशिया और आयरलैंड को पीछे छोड़ते हुए 17वें नंबर पर पहुंच गया था। तब उम्मीद थी कि जल्द ही दुनिया के टॉप-20 संक्रमित देशों की सूची से भी बाहर हो सकता है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में एक्टिव केस फिर से बढ़ने लगे। इसकी वजह से भारत अब फिर दुनिया के सबसे संक्रमित देशों में शामिल हो गया।

अमेरिका, फ्रांस और यूके में भी हालत खराब-एक्टिव केस के मामले में अमेरिका पहले नंबर पर है। यहां अभी 92 लाख से ज्यादा मरीजों का इलाज चल रहा है। फ्रांस में 32 लाख और यूके में 16 लाख से ज्यादा एक्टिव केस हैं। इसके अलावा इस सूची में ब्राजील, बेल्जियम, स्पेन, इटली, रूस, मैक्सिको, पोलैंड, आयरलैंड, इंडोनेशिया, अर्जेंटिना और भारत भी शामिल हैं।

अब तक 1.09 करोड़ केस-शनिवार को देश में 13 हजार 919 नए मरीज मिले। 11 हजार 412 लोग ठीक हुए और 89 की मौत हो गई। इस तरह से ओवरऑल एक्टिव केस में 2486 की बढ़ोतरी दर्ज हुई। 9 राज्य और केंद्र शासित राज्य ऐसे रहे जहां, ठीक होने वाले मरीजों से ज्यादा नए मरीजों की संख्या बढ़ी है। इनमें महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, पुडुचेरी, त्रिपुरा और चंडीगढ़ शामिल हैं।

गुजरात निकाय चुनावः

वोट डालने पहुंचे अमित शाह, दादा की गोदी में विक्ट्री साइन दिखाती नजर आईं पोती रुद्री

अहमदाबाद। गृह मंत्री अमित शाह रविवार को गुजरात के स्थानीय निकाय चुनाव में वोटिंग करने अहमदाबाद पहुंचे। अमित शाह अपने पूरे परिवार के साथ मतदान के लिए पहुंचे थे। इस दौरान उनके बेटे जय शाह और पत्नी सोनल शाह भी साथ में नजर आईं। यही नहीं जय शाह की पत्नी और बेटी भी दिखाई दिए। अमित शाह ने पोती रुद्री को अपनी गोद में ले रखा था और विक्ट्री साइन बनाते दिखे। यही नहीं उनकी पोती रुद्री भी विक्ट्री साइन बनाती दिखीं। होम मिनिस्टर अमित शाह ने अहमदाबाद के नारनपुरा में अपना वोट डाला। गुजरात के निकाय चुनावों के नतीजे मंगलवार को आने वाले हैं। इससे पहले भी अमित शाह जब भी गुजरात आते हैं तो उनकी पोती रुद्री अकसर उनके साथ नजर आती हैं। किसान आंदोलन के दौर में हो रहे गुजरात निकाय चुनावों को बीजेपी के लिए अहम माना जा रहा है। इन चुनावों के नतीजे यह दर्शाएंगे कि किसान आंदोलन का देश में कितना असर है। इसी सप्ताह पंजाब निकाय चुनाव के नतीजे आए थे, जिनमें बीजेपी को करारी शिकस्त झेलनी पड़ी है। हालांकि पंजाब बीजेपी के प्रभाव वाला क्षेत्र नहीं रहा है, लेकिन गुजरात में यदि नतीजे उसके पक्ष में नहीं आते हैं तो निश्चित तौर पर उसके लिए यह चिंता की बात होगी। गुजरात के 6 महानगरों अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट, सूरत, भावनगर और जामनगर में स्थानीय निकाय के चुनाव हो रहे हैं। इनका नतीजा मंगलवार को आने वाला है। यहां बीते साल दिसंबर में ही चुनाव होने वाले थे, लेकिन कोरोना के चलते इन्हें टाल दिया गया था। इन चुनावों में 6 शहरों के करीब 1.44 करोड़ मतदाता वोट डालने वाले हैं। बीजेपी के लिए स्थानीय निकाय के ये चुनाव बड़ी चुनौती हैं। इसकी वजह यह भी है कि इन सभी पर अब तक बीजेपी ही सत्ता में थी। ऐसे में पिछली सफलता को दोहराना उसके लिए चुनौती होगा, जबकि कांग्रेस कम से कम खाता खोलना चाहेगी।

कोरोना का कहर थामने को महाराष्ट्र में

12 घंटे के कर्फ्यू और शादियों में ज्यादा भीड़ पर एक लाख तक फाइन की तैयारी

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों ने सरकार की चिंताएं बढ़ा दी हैं। अब राज्य में 12 घंटे का कर्फ्यू लागू करने पर विचार हो रहा है। राज्य के राहत एवं पुनर्वास मंत्री विजय वाडेट्टीवार ने रविवार को कहा कि जल्दी ही इस संबंध में सरकार की ओर से फैसला लिया जा सकता है। यही नहीं शादियों में 50 से ज्यादा लोगों के पहुंचने पर 1 लाख रुपये तक का फाइन भी लगाने पर विचार हो रहा है। विजय वाडेट्टीवार ने कहा, 'महाराष्ट्र के कई जिलों में कोरोना वायरस के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके चलते सभी जिलाधिकारियों को कोरोना से निपटने के लिए नियमों को सख्ती से लागू करने के आदेश दिए गए हैं। उन्हें कोरोना से निपटने के लिए अपने स्तर पर सख्त नियम लागू करने के अधिकार भी दिए गए हैं।' मंत्री ने कहा, 'नागपुर, अमरावती, यवतमाल जैसे जिलों में कोरोना के मामलों में तेजी से इजाफा होने के बाद महाराष्ट्र सरकार नाइट कर्फ्यू लगाने पर विचार कर रही है। सीएम उद्धव ठाकरे की अध्यक्षता में जल्दी ही मीटिंग होगी, जिसमें इस पर फैसला लिया जा सकता है।' यह कर्फ्यू देर रात से नहीं बल्कि शाम 5 बजे से ही लागू होगा और अगले दिन सुबह 5 बजे तक लागू रहेगा। इस तरह महाराष्ट्र में 12 घंटे के कर्फ्यू की आशंका है। दरअसल बीते कुछ दिनों में महाराष्ट्र के कई जिलों में तेजी से कोरोना के नए मामले सामने आए हैं। शनिवार को राज्य में कोरोना के 6,281 नए केस सामने आए हैं, जबकि 40 लोगों की मौत हो गई। बीते 24 घंटे में इन आंकड़ों के सामने आने के बाद से महाराष्ट्र सरकार बेहद सतर्क है। महाराष्ट्र में कोरोना के मामलों की संख्या 20,93,913 तक पहुंचट गई है, जबकि ऐक्टिव केसों की संख्या 48,439 है।

ज्यादा खतरनाक हो सकता है कोरोना का नया स्ट्रेन, AIIMS चीफ ने किया सतर्क

नई दिल्ली। भारत पर एक बार फिर कोरोना वायरस का खतरा मंडराता दिख रहा है। कोरोना के नए स्ट्रेन ने भी देश के लोगों में भय पैदा कर दिया है। लेकिन इसी बीच वो लोग जो हर्ड इम्युनिटी को ऐसी स्थिति के लिए बेहचर मानते हैं उन्हें यह जरूर पढ़ना चाहिए। ऐम्स चीफ डॉ रणदीप गुलेरिया ने कहा है कि भारत में कोरना वायरस के लिए हर्ड इम्युनिटी का होना एक मिथ है। क्योंकि कम से कम कम 80 प्रतिशत लोगों को पूरी आबादी की रक्षा के लिए एंटीबॉडीज की जरूरत है। महाराष्ट्र में देखे जा रहे नए स्ट्रेन को देखते हुए यह थोड़ा मुश्कलि नजर आता है। ऐम्स चीफ कहते हैं कि यह अधिक संक्रामक और खतरनाक हो सकता है। उन्होंने कहा नया स्ट्रेन उन लोगों में फिर से संक्रमण पैदा कर सकता है जिन्होंने वायरस के लिए एंटी-बॉडी विकसित की हैं। पूरे भारत में नए स्ट्रेन के 240 नए मामले सामने हैं। महाराष्ट्र में पिछले सप्ताह के बाद से संक्रमण में उछाल देखा गया है, महाराष्ट्र के कोविद टास्क फोर्स के सदस्य डॉ शशांक जोशी ने एनडीटीवी को बताया है कि महाराष्ट्र

के अलावा, चार और राज्यों - केरल, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और पंजाब में संख्या में नए स्ट्रेन की वृद्धि देखी जा रही है। सरकार की टीकाकरण योजना लोगों के एक महत्वपूर्ण द्रव्यमान का टीकाकरण करके हर्ड इम्युनिटी बनाने पर निर्भर करती है। टीकाकरण के पहले चरण में, सरकार ने 3 करोड़ स्वास्थ्य कर्मचारियों और फ्रंटलाइन श्रमिकों का टीकाकरण करने की योजना बनाई है। इसके बाद 27 करोड़ लोगों की बारी आएगी जो 50 वर्ष से अधिक आयु के हैं या उनमें सह-रुग्णता है। भारत में एक करोड़ लोगों को कोरोना का टीका लग चुका है. देश तेजी के साथ अपने लक्ष्य को पूरा किए जा रहा है, देश में अभी फ्रंट लाइन वॉरियर्स को वैक्सीन लगाई जा रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि वायरस से बचाव के लिए एक बार फिर ट्रेसिंग और टेस्टिंग की जरूरत है। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत में COVID-19 टीके नए स्ट्रेन के खिलाफ प्रभावी हैं, डॉ गुलेरिया ने कहा कि टीके प्रभावी होंगे, लेकिन उनका प्रभाव कम हो सकता है। उदाहरण के लिए, लोग बीमारी से बचने में सक्षम नहीं हो सकते हैं, लेकिन उनके पास इसका हल्का संस्करण होगा।

खत्म हुआ लोकतंत्र अब कांग्रेस के साथ नहीं रहना... NSUI के 1400 लोगों ने इस्तीफे से दिया झटका

नई दिल्ली। कांग्रेस के लिए एक बार फिर मुश्किलें खड़ी होती दिख रही हैं। जम्मू और कश्मीर के राष्ट्रीय छात्र संघ के राज्य उपाध्यक्ष विशाल कोतवाल सहित राज्य समिति के कई सदस्यों ने शनिवार को पार्टी में पक्षपात का आरोप लगाते हुए कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। छात्रों ने आरोप लगाया है कि पार्टी में गैर राजनीति पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों को अवसर नही दिए जाते हैं। साथ ही ये भी कहा कि पार्टी में लोकतंत्र खत्म हो गया है और इसे खत्म करने वाले पार्टी के कुछ स्वार्थी तत्व है। बता दें कि छात्र संघ के लगभग 1,400 छात्रों ने एक साथ इस्तीफा दे दिया है। छात्रों ने पार्टी में लोकतंत्र के खत्म होने की बात कहते हुए उनकी बात की सुनवाई न करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पार्टी में आम छात्रों को आगे बढ़ने का मौका नहीं मिलता है। एक प्रेस रिलीज के अनुसार, सदस्यों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी में, गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि से आने वालों आम छात्रों और कार्यकर्ताओं को कोई अवसर नहीं दिया जाता है। रिलीज में बताया, पार्टी की विचारधारा और आंतरिक लोकतंत्र को अंदर के ही कुछ लोगों द्वारा खत्म किया जा रहा है, पार्टी के भीतर विभिन्न पदनामों और स्तरों पर काम करने के बावजूद योग्य उम्मीदवारों नजरअंदाज किया जा रहा है। इस्तीफा देने वालों में विशाल कोतवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, चंदर कांत शर्मा, राज्य महासचिव और किशोर शर्मा, राहुल भगत, संदीप सिंह चिब, साहिल सिंह जम्वाल शामिल हैं। उन्होंने सोनिया गांधी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष, नीरज कुंदन, NSUI के राष्ट्रीय अध्यक्ष, अंकुश भटनागर, राष्ट्रीय सचिव और जम्मू-कश्मीर के प्रभारी और चुनाव के लिए पार्टी के नोटिस भी भेजे हैं। उन्होंने कहा, इस्तीफा देने का हमारा फैसला हमारी ओर से स्वैच्छिक है और यह बड़े पैमाने पर छात्र समुदाय के कल्याण के लिए हमारी चिंता से पैदा होता है।

मेट्रो को पूरी क्षमता से चलाने की तैयारी, सभी सीटों पर बैठने की मिल सकती है अनुमति

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में घटते कोरोना संक्रमण के बीच अब मेट्रो भी पूरी क्षमता से चलाने की तैयारी है। मेट्रो कोच के अंदर सभी सीटों पर बैठकर सफर की अनुमति मिल सकती है। आगामी सोमवार को एलजी अध्यक्षता में दिल्ली राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की बैठक में इसपर अंतिम फैसला लिया जाएगा। बस में पहले ही सभी सीट पर सफर करने की अनुमति मिल चुकी है। बताते चले दिल्ली मेट्रो ने घटते कोरोना संक्रमण के बीच पहले ही सरकार को कोरोना के चलते लगी पाबंदियों में राहत के लिए प्रस्ताव सरकार के पास भेज चुकी है। सूत्रों की माने तो मेट्रो

ने कोविड के चलते लगी पाबंदियों को हटाने की मांग की थी। इससे यात्रियों की संख्या को बढ़ाई जा सके। अभी दिल्ली मेट्रो के अदर जितनी सीट है उसमें सभी सीट पर बैठकर सफर करने की अनुमति नहीं है। दो यात्रियों के बीच एक सीट खाली छोड़ना अनिवार्य है। यात्रियों की संख्या सीमित होने से भी दिल्ली मेट्रो का परिचालन का घाटा भी लगातार बढ़ रहा है। हालांकि बीते कुछ समय से यात्रियों की संख्या बढ़ी है। इसका असर यह है कि मेट्रो स्टेशन के सीमित गेट खुले होने के कारण बाहर यात्रियों की लंबी कतार लगती है। बीते दिनों राज्यसभा में भी इन पाबंदियों को लेकर सांसदों ने सवाल उठाएं है। ऐसे में माना जा रहा है कि आगामी डीडीएमए की बैठक में मेट्रो को पाबंदियों से थोड़ी राहत मिल सकती है।

बस में खड़े होकर यात्री की मंजूरी संभव-दिल्ली सरकार ने मेट्रो के अलावा बसों में भी खड़े होकर यात्रा करने की अनुमति का प्रस्ताव डीडीएमए में भेजा है। अभी बसों में जितनी सीट है उतने ही यात्रियों को सफर करने की अनुमति है। बसों में यात्रियों की संख्या बढ़ रही है तो सरकार अब खड़े हो कर यात्रा करने की अनुमति देना चाहती है, मगर डीडीएमए से मंजूरी के बाद ही यह संभव है। सोमवार को बैठक में इसपर भी चर्चा होगी।

गलवान में पीएलए सैनिकों की मौत से बौखलाए चीनी

भारतीय दूतावास को कर रहे टारगेट, ऐसे निकाल रहे भड़ास

नई दिल्ली। गलवान खूनी संघर्ष की सच्चाई को आठ महीने तक छिपाने के बाद आखिरकार चीन ने कबूल कर लिया कि उस खूनी झड़प में उसके भी चार सैनिक मारे गए थे और एक रेस्क्यू के दौरान मरा था। पीएलए की सेना की मौत को लेकर ड्रैगन के इस खुलासे के बाद चीन में बवाल मच गया है, चीनी लोग बौखलाए गए हैं और अब वह हेट मैसेज, अपशब्द व गाली-गलौज पर उतर आए हैं। इतना ही नहीं, वहां की सोशल मीडिया में भारत विरोधी संदेशों की बाढ़ आ गई है और अपनी खीच उतारने के लिए चीनी सोशल मीडिया यूजर्स अब बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास के सोशल मीडिया अकाउंट को निशाना बना रहे हैं। बता दें कि गलवान घाटी हिंसा में भारत के 20 जवान शहीद हुए थे, वहीं चीन ने अपने सैनिकों की मरने की बात को आठ महीने तक दबाए रखा, जिसे लेकर भी वहां के लोगों में काफी रोष है।

गलवान घाटी हिंसा को लेकर चीन के खुलासे के बाद चीन में भारतीय दूतावास के वीवो अकाउंट (ट्विटर की तरह वाला अकाउंट) को अपमानजनक संदेशों से टारगेट किया जा रहा है। बता दें कि पीएलए डेली न्यूजपेपर में शुक्रवार को चीन ने दावा किया कि उसके चार सैनिक मारे गए थे और एक

घायल हुआ था, जो बाद में रेस्क्यू के दौरान मर गया। इस खुलासे के बाद चीन के लोग काफी भावनात्मक हो गए हैं और चीनी सरकार पर अपनी बौखलाहट और खीझ उतारने की बजाय भारतीय दूतावास के वीवो अकाउंट पर गाली-गलौज कर रहे हैं और अपमानजनक संदेशों से टारगेट कर रहे हैं।

चीनी सैनिकों के मारे जाने की खबर के बाद वहां के नागरिकों में इमोशन अपने हाई लेवल पर है। चीन की सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, पीएलए के सैनिकों के बारे में अपमानजनक टिप्पणी प्रकाशित करने के लिए एक व्यक्ति को नानजिंग शहर में गिरफ्तार किया गया था। बता दें कि इस खुलासे के बाद चीन ने चालाकी दिखाते हुए गलवान संघर्ष के कई वीडियो भी जारी किए। शुक्रवार को पिछले साल जून में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच गाल्वान घाटी में हुई झड़प के कई कथित वीडियो कई वेबसाइटों पर अपलोड किए गए और इन्हें लाखों लोगों ने देखा। हालांकि, इनमें से किसी भी वीडियो में यह दावा नहीं किया गया है कि भारत के 20 जवान शहीद हुए हैं। गलवान संघर्ष में मारे गए चारों चीनी सैनिकों की तस्वीरें वहां की सोशल मीडिया पर वायरल हैं। इस दौरान चीनी नागरिकों की ओर से तीखी प्रतिक्रिया भी देखने को मिल रही है। चीनी सैनिकों के मरने से वहां के लोगों में गुस्सा इसलिए भी है क्योंकि वहां के लाखों-करोड़ों लोगों ने दशकों बाद अपने सैनिकों को मरते हुए देखा है। यही वजह है कि उनका दुख सामने आ रहा है।

चीनी सैनिकों की मौत के बाद से चीन में यूनिवर्सिटी-कॉलेजों में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जा रहा है और मृतक सैनिकों की तस्वीरें लगाई जा रही हैं। हालांकि, चीनी सरकार पर युवाओं के निशाने पर है। वहां के लोग यह सवाल पूछ रहे हैं कि सरकार ने आखिर इतने दिनों तक यह बात क्यों छिपाई। इन सवालों का जवाब देने के लिए चीन सरकार की ओर उसका मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स सामने आया है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के भोंपू कहे जाने वाले ग्लोबल टाइम्स ने अपने संपादकीय में यह बताया है कि आखिर इस सूचना को आठ महीने तक क्यों छिपाया गया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

शांति बहाली के लिए

अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर का विशेष दरजा समाप्त किए जाने के बाद वहां के हालात का जायजा लेने 24 देशों के राजनयिकों के एक प्रतिनिधिमंडल का दो दिवसीय दौरा समाप्त हो गया। इस प्रतिनिधिमंडल में यूरोप, अफ्रीका, एशिया और दक्षिण अमेरिका के देशों के राजनयिक शामिल थे। केंद्र सरकार की पहल पर जम्मू-कश्मीर पहुंचे विदेशी राजनयिकों ने राज्य के विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक समूहों से मुलाकात की। कश्मीर घाटी की यात्रा के दौरान इन सदस्यों ने जिला विकास परिषद के सदस्यों से भी मुलाकात की। विदेशी राजनयिकों के इस प्रतिनिधिमंडल की जम्मू-कश्मीर की यात्रा का मुख्य मकसद यह जानना और समझना था कि राज्य का विशेष दरजा समाप्त किए जाने के करीब 18 महीने बाद क्या वहां की स्थिति सामान्य हो गई है, शांति बहाल हो गई है? स्थानीय लोगों ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को बताया कि यहां लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हो रहीं हैं और आम कश्मीरी सरकार के फैसले से खुश हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि जम्मू-कश्मीर में स्थायी तौर पर शांति बहाल करने के लिए केंद्र सरकार को कुछ आवश्यक कदम उठाने चाहिए। इसके लिए सबसे महत्त्वपूर्ण बात तो यह है कि राज्य से अलगाववाद और आतंकवाद खत्म हो। अलगाववाद खत्म करने के लिए सरकार को अपने एजेंडे में नागरिक स्वतंत्रता को सबसे ऊपर रखना होगा। इसी के साथ सरकार सुरक्षा का वातावरण बनाए और आतंकवाद के विरुद्ध जारी लड़ाई में ढिलाई न आने दे। सरकार के इन कदमों से अच्छे परिणाम सामने आएंगे। हालांकि केंद्र सरकार इस दिशा में लगातार आगे बढ़ रही है। हाल ही में स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराए गए स्थानीय निकायों के चुनाव इसके उदाहरण हैं। वास्तव में भारतीय लोकतंत्र, भारतीय बहुलतावाद और भारत की वैश्विक छवि बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि केंद्र सरकार राज्य में शांति बहाल करने के लिए और लोकतंत्र की जड़ें मजबूत करने पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित करे। कश्मीर की समस्याओं को दूर करने के लिए एक उपाय यह भी है कि इस प्रदेश को जितना जल्द हो सके राज्य का दरजा बहाल कर दिया जाए और वहां निष्पक्ष तरीके से विधानसभा के चुनाव कराए जाएं। इस बारे में गृहमंत्री अमित शाह कह भी चुके हैं कि उचित समय पर जम्मू-कश्मीर को राज्य का दरजा दिया जाएगा।

आज के ट्वीट

नंबर वन

सिर्फ सस्ते पेट्रोल से किसी राष्ट्र में खुशहाली आ सकती तो शायद सीरिया, ईरान, ईराक जैसे देश खुशहाली में नंबर वन होते

-- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

मातृभाषा ही शिक्षा का माध्यम हो

– गिरीश्वर मिश्र

मनुष्य इस अर्थ में भाषाजीवी कहा जा सकता है कि उसका सारा जीवन व्यापार भाषा के माध्यम से ही होता है । उसका मानस भाषा में ही बसता है और उसी से रचा जाता है । दुनिया के साथ हमारा रिश्ता भाषा की मध्यस्थता के बिना अकल्पनीय है। इसलिए भाषा सामाजिक सशक्तीकरण के विमर्श में प्रमुख किरदार है फिर भी अक्सर उसकी भूमिका की अनदेखी की जाती है। भारत के राजनैतिक-सामाजिक जीवन में ग़रीबों, किसानों, महिलाओं, जनजातियों यानि हाशिए के लोगों को सशक्त बनाने के उपाय को हर सरकार की विषय सूची में दुहराया जाता रहा है। वर्तमान सरकार पूरे देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृतसंकल्प है। आत्म-निर्भरता के लिए ज़रूरी है कि अपने स्रोतों और संसाधनों का उपयोग को पर्याप्त बनाया जाए ताकि कभी दूसरों का मुँह न जोहना पड़े। इस दृष्टि से 'स्वदेशी' का नारा बुलंद किया जाता है। कभी इस तरह की बातें ग़ुलाम देश को अंग्रेज़ी साम्राज्य की क़ैद से स्वतंत्र कराने और स्वराज्य स्थापित करने के प्रसंग में की ज़ाती थीं। इस विमर्श में स्वदेशी की राह पर चलकर मिलने वाला स्वराज्य सर्वोदय यानी सबके कल्याण के लिए था। अंग्रेज गए, स्वराज्य आया और देश में अपना शासन स्थापित हुआ। यद्यपि 'स्वराज्य' का आशय अपना राज भी था और अपने ऊपर भी राज्य अर्थात् आत्म-नियंत्रण भी था, हम पहला अर्थ ही अधिक समझ पाए। फलतः राज करना मुख्य रूप से अधिकार जमाने और दूसरों पर शासन करने तक ही सिमट गया। सरकार का स्वभाव बहुत कुछ नौकरशाही की प्रमुखता वाली अंग्रेजों की शैली के अनुकूल ही बना रहा। सरकार तो आख़िर सरकार ही होती है। जनतंत्र में जिस लोकशाही की उम्मीद थी वह धीरे-धीरे बिखरती गई और राजा और प्रजा, शासक और शासित का भेद बढ़ता गया। ग़नीमत यही रही कि समय के साथ चेहरे थोड़े बहुत बदलते गए। धीरे-धीरे राजनीति से आचरण की शुचिता जाती रही और छल, बल, शक्ति और सम्पदा आदि का बोलबाला होता गया। इसकी पृष्ठभूमि अंग्रेजों की विरासत में देखी जा सकती है। अंग्रेज़ी राज्य की स्थापना की कथा से सभी परिचित हैं। आर्थिक फ़ायदों के लिए अंग्रेज भारत में प्रविष्ट हुए और यहाँ शासन पर किस तरह क़ब्ज़ा किया उससे स्पष्ट है कि उनके आर्थिक सरोकार सदैव प्रमुख बने रहे। इस प्रयास में उन्होंने शोषण और दोहन तो किया ही यहाँ के सांस्कृतिक और बौद्धिक-आंतरिक शक्ति को भी यथाशक्ति ध्वस्त किया। सामाजिक भेदभाव की खाई को बढ़ाते हुए भारत की पहचान को विकृत किया। यह सब ऐसे योजनाबद्ध ढंग से हुआ कि अनेक भारतीय उस अंग्रेज़ी दृष्टि को स्वाभाविक, प्रासंगिक और सार्वभौम मान बैठे। उनकी तुलना में भारतीय विचार कमतर आंके जाने लगे और उनकी प्रासंगिकता अधिकाधिक प्रश्नांकित होती गई। भारतीय ज्ञान परम्परा को हाशिए पर पहुँचा कर और उसके बारे में तरह-तरह के संशय फैलाकर अंग्रेज लोग भारतीय शरीर में अंग्रेज़ी मन को स्थापित करने में सफल रहे। शासक और शासित की स्पष्ट समझ बनी रहे इसके लिए अंग्रेजों ने कई उद्यम किए। अंग्रेजों ने अंग्रेज़ी भाषा और पश्चिमी शिक्षा की पौध रोपी और इस तरह से योजना बनाई कि हम हम न रह गए। शरीर तो भारत का रहा पर मन और बुद्धि अंग्रेज़ीमय या अंग्रेज़ीभक्त हो गया। भवसागर से उद्धार या मोक्ष के लिए हमने अंग्रेज़ी की नौका को स्वीकार किया और उसे शिक्षा तथा आजीविका का स्रोत बना दिया। अंग्रेजों ने व्यवस्था ऐसी चाक-चौबंद कर दी थी कि अंग्रेज़ी से मुक्ति, अंग्रेजों से मुक्ति से कहीं ज़्यादा मुसीबतज़दा और मुश्किल पहेली बन गई। स्वतंत्र भारत में शिक्षा का जो साँचा तैयार हुआ उसकी आधार भूमि ग़ुलाम भारत वाली ही थी। अंग्रेज तो भारत से विदा हो गए पर उनकी रची व्यवस्थाएँ बनी रहीं और उनके साथ ज़्यादा छेड़छाड़ मुनासिब नहीं समझी गई। उनका मानसिक उपनिवेश पूर्ववत क़ाबिज़ रहा। हम स्वयं को उन्हीं के आइने में देखने के अभ्यस्त होते गए। वे ही ज्ञान-विज्ञान के मानक संदर्भ बन गए। यह प्राकृतिक विज्ञानों में स्वीकार्य था परंतु सामाजिक विज्ञानों और मानविकी जैसे अध्ययन क्षेत्रों में इसके घातक परिणाम हुए और भारत की हमारी समझ उलट पलट-सी गई। ऐतिहासिक क्रम में जिस कालखंड में ये विषय भारत में आरम्भ हुए इनकी रचना यूरोप की दृष्टि के अनुरूप हुई पर उसे विश्वजनीन मानकर स्थापित किया गया। इसका परिणाम हुआ कि एक आरोपित दृष्टि थोप दी गई और ज्ञान सृजन में हम प्रामाणिक और प्रासंगिक नहीं हो सके। इस पूरे आयोजन में शिक्षा माध्यम अंग्रेज़ी ने बड़ी भूमिका निभाई। यह देखते हुए भी कि रूस, चीन, जापान, फ़्रांस या जर्मनी हर देश अपनी भाषा में ही शिक्षा देना उचित समझता है। वे ज्ञानार्जन और शासन दोनों ही काम एक ही भाषा में करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। यह स्वाभाविक भी था क्योंकि मातृभाषा में सहजता से अध्ययन और शोध सम्भव होता है। चूँकि बच्चा मातृभाषा की ध्वनियों की गूंज के बीच जन्म लेता है और उसी के शब्दों से अपनी वाणी को गढ़ता है, किसी अपरिचित विदेशी भाषा को शैक्षिक संवाद और संचार का माध्यम बना कर अनुवाद की अतिरिक्त ज़िम्मेदारी सौंप दी जाती है। इसका सीधा परिणाम यह होता है कि सृजनात्मकता प्रतिबंधित हो जाती है और अध्ययन में मौलिक चिंतन की जगह अनुगमन करते रहना ही नियति बन जाती है। अंग्रेज़ी में विश्व का अधिकांश ज्ञान उपलब्ध है और अनेकानेक देशों में उसका प्रसार है यह विचार मात्र अंशतः सही है । इस भ्रम के अधीन होकर अंग्रेज़ी को शिक्षा का माध्यम बनाकर शिक्षा की प्रक्रिया को टेढ़ा कर बैसाखी पर टांग दिया गया। इसका प्रभाव सीखने की गति को बाधित करने के साथ-साथ भारतीय भाषाओं और भारतीय संस्कृति की समझ को कमजोर करने वाला हो रहा है। वर्तमान सरकार ने आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी की अवधारणा को विमर्श के केंद्र में लाकर सामर्थ्य के बारे में हमारी सोच को आंदोलित किया है। इसी कड़ी में नई शिक्षा नीति में मातृभाषा को शिक्षा के माध्यम के रूप में अवसर देने पर विचार किया गया है। यह निर्विवाद रूप से स्थापित सत्य है कि आरम्भिक शिक्षा यदि मातृभाषा में हो तो बच्चे को ज्ञान प्राप्त करना सुकर हो जाएगा और माता-पिता पर अतिरिक्त भार भी नहीं पड़ेगा। शिक्षा स्वाभाविक रूप से संचालित हो, इसके लिए मातृभाषा में अनिवार्य रूप से दी जानी चाहिए। एक भाषा में दक्षता आ जाने पर दूसरी भाषाओं को सिखाना आसान हो जाता है। अतः अंग्रेज़ी या किसी अन्य भाषा को एक विषय के रूप में अध्ययन विषय बनाना उचित होगा। भारत एक बहुभाषी देश है और ज़्यादातर लोग एक से अधिक भाषाओं का अभ्यास करते हैं। इसलिए बहुभाषिकता के आलोक में मातृभाषा का आदर करते हुए भाषा की निपुणता विकसित करना आवश्यक है। देश के लिए सामर्थ्य की चिंता में भाषा के प्रश्न की अवहेलना किसी के लिए भी हितकर नहीं है। मातृभाषाओं में शिक्षा की व्यवस्था से भाषाएँ और समाज दोनों ही सशक्त होंगे। कहना न होगा कि भाषा के संस्कार ही संस्कृति के संरक्षण और संबर्धन का भी अवसर बनेगा और लोकतंत्र में जन भागीदारी भी सुनिश्चित हो सकेगी। आशा है मातृभाषा में शिक्षा के संकल्प को अमल में लाया जाएगा। शिक्षा में लोकतंत्र मातृभाषा के माध्यम से ही आ सकेगा जो देश के विकास का आधार है।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विवि, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

ज्ञान गंगा

धर्मतंत्र का दुरुपयोग

श्रीराम शर्मा आचार्य

मित्रो! मंदिर जन-जागरण के केंद्र बनाए जा सकते हैं। मंदिरों का उपयोग लोकमंगल के लिए किया जा सकता है, क्योंकि उसके पास इमारत होती है। इमारत तो हर सेवा केंद्र के पास होनी चाहिए, परंतु इसके अलावा वह व्यवस्था भी होनी चाहिए, जिससे कि उस क्षेत्र के कार्यकर्ताओं का, निवासियों का, गुजारे का प्रबंध किया जा सके। इस गुजारे का प्रबंध तभी हो सकता है, जब आजीविका के स्रोतों से जनता में इसके लिए त्यागवृत्ति पैदा की जा सके। मनुष्य में यह भावना पैदा की जा सके कि हमने भगवान को दिया है, तुमको नहीं। इससे आदमी का मन हलका होता है। त्याग और सेवा की वृत्ति पैदा होती है। उस धन के एक केंद्र पर इकट्ठा होने से समाज के लिए उससे उपयोगी काम किए जा सकते हैं। प्राचीन काल में मंदिर इसी उद्देश्य से बनाए गए थे। समाज में सत्प्रवृत्तियों का विकास वास्तव में भगवान की सेवा का एक बहुत बड़ा काम है, लेकिन आज मैं क्या कहूं, मंदिरों को देखकर रोना आता है। आज मंदिर पर मंदिर बनते चले जा रहे हैं। करोड़ों रुपया खर्च होता है। क्या ऐसा संभव नहीं था कि करोड़ों रुपयों से बनने वाली इमारतों को इस ढंग से बनाया गया होता कि वहां लोकसेवा की प्रवृत्तियों के लिए गुंजाइश रहती और भगवान के निवास की भी एक छोटी-सी जगह बना दी गई होती। अब तो सारी-की-सारी इमारतें इस काम के लिए बनाई जाती है कि उसमें केवल भगवान ही बैठें। भगवान को इतनी जगह की क्या जरूरत है? भगवान को चाहो, तो एक कोने में बिठा दो, तो भी वे मौज करेंगे। भगवान को इतने बड़े भव्य निर्माण से क्या लेना-देना? उनके लिए तो इतना बड़ा आसमान विद्यमान है। मंदिरों की इमारतों को अगर इस ढंग से बनाया गया होता कि जिनमें मदिर के साथ पाठशाला, प्रौढ़ पाठशाला, संगीत विद्यालय, वाचनालय और कथा-कीर्तन का कक्ष भी बना होता, उसके आस-पास व्यायामशाला भी होती और थोड़ी सी जगह में चिकित्सालय का भी प्रबंध होता, बच्चों के खेलने की भी जगह होती। इस तरीके से लोकमंगल की, लोकसेवा की अनेक प्रवृत्तियों का एक केंद्र अगर वहां बना दिया गया होता और वहीं एक जगह भगवान की स्थापना होती, तो जो धन मंदिरों में चढ़ाया जाता है, उसका ठीक तरीके से उपयोग होता। ऐसी स्थिति में मंदिरों के द्वारा कितना बड़ा लाभ होता।

आज का राशिफल

मेष – पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ – जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती हैं।

मिथुन – दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

कर्क – राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

सिंह – दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन हानि की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

कन्या – व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है। व्यर्थ क विवाद में न पड़ें।

तुला – व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक – जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

धनु – पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मकर – राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ के विवाद रहेंगे।

कुम्भ – आर्थिक उन्नति के योग हैं। मांगलिक कार्यो में हिस्सेदारी लेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। रोजी रोजगार की दिशा में उन्नति होगी।

मीन – व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

अनगढ़ प्रतिभाओं को तराशता अरबपति

श्रीधर वेंबू भारतीय उद्यमी

इतिहास तमिलनाडु के तंजावुर जिले को चोल राजाओं के हवाले से याद करता है, जिन्होंने सैकड़ों साल तक इस दक्षिणी सूबे में राज किया था, मगर 21वीं सदी की शिनाख्त में यह श्रीधर वेंबू की धरती है। इसी जनपद के एक अत्यंत साधारण परिवार में साल 1967 में श्रीधर पैदा हुए। पिता हाईकोर्ट में स्टेनोग्राफर थे और मां गृहिणी। दोनों में से किसी ने कॉलेज का मुंह नहीं देखा था, मगर बच्चों को ऊंची तालीम दिलाने में अपनी लचर माली हैसियत को आड़े न आने देने का हौसला वे हर रोज जमा करते रहे। पांच भाई-बहन में सबसे बड़े श्रीधर की शुरुआती पढ़ाई तमिल माध्यम के स्कूल में हुई, जो सरकारी अनुदान से चलता था। साल-दर-साल उनके परीक्षा परिणाम माता-पिता को फख्र का एहसास कराते गए और उनके प्रोत्साहन से श्रीधर का आत्मविश्वास मजबूत होता गया। नौवीं कक्षा तक उसी स्कूल में पढ़ने के बाद बोर्ड की पढ़ाई के लिए वह ईस्ट तांबरम के जयगोपाल गरोडिया नेशनल हायर सेकेंडरी स्कूल पहुंचे। वहीं से 1985 में 12वीं की परीक्षा पास की। पिता की आर्थिक क्षमता, छोटे भाई-बहन की जिम्मेदारियों के एहसास ने उम्र के 18वें पड़ाव तक पहुंचते-पहुंचते श्रीधर को काफी परिपक्व बना दिया था। उन्हें कुछ तो ऐसा करना ही था, जो न सिर्फ माता-पिता की साधना और सपने को साकार करे, बल्कि छोटे भाइयों व बहन के भविष्य को भी संवार सके। आईआईटी, मद्रास से बीटेक की डिग्री लेकर वह इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी के लिए अमेरिका की प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी पहुंच गए। प्रिंस्टन में पढ़ाई के दौरान उनकी दिलचस्पी अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान में भी काफी बढ़ी। श्रीधर ने इन विषयों से जुड़ी कई किताबें पढ़ीं और यह जाना कि जापान, सिंगापुर जैसे बाजारों की कामयाबी का राज क्या है या किस तरह से वे अपना प्रबंधन करते हैं। बहरहाल, पीएचडी की डिग्री के बाद श्रीधर जिस मुकाम पर पहुंचे, वहां से उन्हें ऊपर ही उठना था, क्योंकि बेशुमार अवसर उन जैसे काबिल लोगों के लिए अमेरिका में पलकें बिछाए खड़े थे। साल 1994 में सैन डिएगो की कंपनी 'क्वालकम' ने वायरलेस सिस्टम इंजीनियर के तौर पर श्रीधर को पहला मौका दिया। इस नौकरी में उन्होंने वायरलेस संचार का गहरा अनुभव हासिल किया। श्रीधर नौकरी तो कर रहे थे, लेकिन उनके भीतर बसा उद्यमी रह-रहकर जोर मारने लगता। यह वही दौर था, जब भारत आर्थिक उदारीकरण की राह पर तेजी से आगे बढ़ चला था। दूरदर्शी श्रीधर ने भारतीय आईटी सेक्टर की संभावनाओं को पहचाना। साल 1996 की बात है। छोटे भाई कुमार ने बातचीत के दौरान एक ऐसी योजना बताई, जो श्रीधर के भीतर बसे उद्यमी को जंच गई और फिर दो साल बाद ही क्वालकम को अलविदा कह वह चेन्नई लौट आए। दो छोटे भाइयों और कुछ दोस्तों के साथ मिलकर श्रीधर ने चेन्नई के बाहरी इलाके तांबरम के एक गैराज में 'वेंबू सॉफ्टवेयर' नाम से आईटी कंपनी शुरू की। फिर उन्होंने इस क्षेत्र के अनुभवी और कुछ नेटवर्क मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर के मालिक टोनी थॉमस के साथ साझेदारी की। पर चंद वर्षों बाद ही टोनी नया कारोबार शुरू करने के इरादे से अलग हो गए। सीईओ का पद संभालने के बाद श्रीधर ने काफी सारे बदलाव किए। न सिर्फ उन्होंने वेंबू सॉफ्टवेयर को 'एडवेंटनेट' का नया नाम दिया, बल्कि गूगल के जरिए ग्राहकों से संपर्क साधने के बजाय सीधे उनसे संचार करना शुरू किया। कामयाबियां मिलती गईं और मई 2009 में उन्होंने एक बार फिर अपनी कंपनी का नाम बदला 'जोहो कॉरपोरेशन'। जोहो और श्रीधर ने उसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। जोहो के पास आज सेल्स, मार्केटिंग, कस्टमर सपोर्ट, अकाउंटिंग और अन्य सहायक क्षेत्रों में, प्रत्येक में दर्जनों एप्लिकेशन हैं। दुनिया के 120 देशों में करीब साढ़े तीन करोड़ लोग व कंपनियां इसके उत्पादों का इस्तेमाल कर रही हैं। वह भी मुकाम आया, जब सेल्सफोस.कॉम के सीईओ मार्क बेनिऑफ जोहो को खरीदने के लिए बेचैन हो उठे, क्योंकि सेल्सफोर्स जिस उत्पाद के बदले ग्राहकों से 65 डॉलर वसूलती थी, जोहो वही उत्पाद उन्हें महज 10-12 डॉलर में मुहैया करा रही थी। मगर श्रीधर ने मार्क के प्रस्ताव को विनम्रता के साथ ठुकरा दिया। बहुत सारे धन्ना सेठ श्रीधर की कंपनी में निवेश करने के लिए गुहार लगाते हैं, मगर वह बाहर से कोई पूंजी लेने के बजाय अपने पांच हजार से अधिक सहकर्मियों से ही पूंजी जुटा लेते हैं। वह भारत से ही सेल्सफोर्स, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल क्लाउड को चुनौती दे रहे हैं। हालांकि, जोहो के कार्यालय कैलिफोर्निया, सिंगापुर, जापान और चीन में भी हैं। श्रीधर 2005 से जोहो यूनिवर्सिटी, स्कूल के जरिए भारत की अनगढ़ प्रतिभाओं को भी तराश रहे हैं। अब तक सैकड़ों गरीब बच्चों का भविष्य संवार चुके श्रीधर को फोर्ब्स ने 'स्मार्टेस्ट अननोन इंडियन इंटरप्रिन्योर' कहा था। अरबपति श्रीधर विशुद्ध भारतीय मिजाज के हैं। वह पद्मश्री के सच्चे हकदार थे, देश ने उन्हें यह गौरव दिया।

प्रस्तुति - चंद्रकांत सिंह

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेंसेक्स में बीते सप्ताह 654.54 अंक की गिरावट

मुंबई:

वैश्विक स्तर के कमजोर संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर बैंकिंग, ऑटो, धातु और हेल्थ केयर समूह में हुई मुनाफावसूली से बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार गिरावट में आ गए जिससे बीएसई का सेंसेक्स 654.54 अंक गिरकर 50889.76 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 181.55 अंक टूटकर 14981.75 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार में अगले सप्ताह भी मुनाफावसूली की आशंका जताई जा रही है इसलिए छोटे निवेशकों विशेषकर खुदरा निवेशकों को सतकर्ता पूर्वक निवेश करने की सलाह दी गई है। वहीं बीएसई के मिडकैप में बीते सप्ताह वृद्धि दर्ज की गयी और वह 124.49 अंक की बढ़त के साथ 20,035.52 अंक तक पहुंचा जबकि स्मालकैप में भी वृद्धि दर्ज की गयी और वह 241.36 अंक चढ़कर 19,863.41 अंक पर बंद हुआ। विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर हो रहे घटनाक्रम के साथ ही घरेलू बाजार में अर्थव्यवस्था को लेकर ऐसे कोई बेहतर संकेत नहीं दिख रहे हैं जिससे अगले सप्ताह बाजार को बल मिल सके। इसके मद्देनजर छोटे निवेशकों को निवेश में सतकर्ता बरतने की सलाह दी गई है क्योंकि विदेशी निवेशक मुनाफावसूली कर सकते हैं जिससे बाजार में गिरावट देखी जा सकती है।

उद्योग में 90% से अधिक लोग काम कर रहे हैं: प्रेमजी

: आईटी उद्योग की दिग्गज हस्ती अजीम प्रेमजी ने रविवार देश के प्रौद्योगिकी उद्योग में 90 प्रतिशत से अधिक लोग र से काम कर रहे हैं और उन्होंने कामकाज के इस मिले- की सराहना की। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा, कोविड- लते लागू लॉकडाउन के पहले कुछ हफ्तों में प्रौद्योगिकी 0 प्रतिशत लोग घर से काम करने लगे थे और आज भी त से अधिक लोग घर से काम कर रहे हैं। प्रेमजी ने र ऑफ इंडस्ट्री एंड कॉमर्स द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम सरकार और आईटी उद्योग ने स्थायी रूप से एक मिश्रित फायदों को स्वीकार किया है, जहां लोग महामारी के बाद य और घर, दोनों जगह से काम करेंगे। उन्होंने कहा कि जुले मॉडल के व्यापक तुलनात्मक लाभ होंगे और यह विकास, देश के सभी हिस्सों की बेहतर भागीदारी तथा को घर से काम करने के लिए लचीलापन देगा। उन्होंने ाज प्रौद्योगिकी हमारे लिए जीवन रेखा बन रही है।'' ों से कुछ न कुछ परोपकार के कामों में शामिल रहने की और कहा कि परोपकार हमेशा भारत की संस्कृति और हिस्सा रहा है।

ओ से दिसंबर 2020 में 12.5 लाख दस्य जुड़े, इस साल अब तक जुड़े 7.83 लाख लोग

ली: कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) द्वारा को जारी आंकड़ों के मुताबिक उसके पास शुद्ध नए की संख्या दिसंबर में 24 प्रतिशत बढ़कर 12.54 लाख आंकड़ों से कोविड-19 महामारी के बीच औपचारिक गार की स्थिति का पता चलता है। श्रम मंत्रालय ने एक हा कि ईपीएफओ के अनंतिम वेतन आंकड़ों के मुताबिक 020 में शुद्ध आधार पर 12.54 लाख खाताधारक बढ़े, कारात्मक संकेत है। बयान में कहा गया कि वर्ष दर वर्ष वेतन के आंकड़े दिसंबर में 24 प्रतिशत बढ़ोतरी दर्शाते रकों में बढ़ोतरी का यह आंकड़ा कोविड-पूर्व के स्तर के यह बढ़ोतरी नवंबर 2020 के मुकाबले 44 प्रतिशत आंकड़ों के मुताबिक कोविड-19 महामारी के बावजूद ने चालू वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों के दौरान 3.70 लाख खाताधारकों को जोड़ा। दिसंबर 2020 के पता चलता है कि लगभग 8.04 लाख नए सदस्य के दायरे में आए, जबकि मोटे तौर पर 4.5 लाख सदस्य ले और फिर ईपीएफओ के दायरे में आ गए यानी उन्होंने ली और फंड स्थानांतरण करके सदस्यता बरकरार रखने चुना। मंत्रालय ने कहा कि सदस्यों की संख्या में बढ़ोतरी ाता है कि भारत में कोविड-19 के सक्रिय मामलों में कमी थ ही लोग अपनी नौकरी पर वापस लौट रहे हैं। इसके ीएफओ द्वारा शुरू की गई स्वत~ हस्तांतरण सुविधा ने कई सदस्यता की निरंतरता सुनिश्चित की। उम्र के अनुसार बात करें तो दिसंबर 2020 में 22 से 25 वर्ष उम्र वर्ग 3.36 लाख शुद्ध नामांकन हुए। इसके बाद 18 से 21 र्ग का स्थान रहा, जिनके लगभग 2.81 लाख शुद्ध ए। आंकड़ों के अनुसार 18-25 आयु वर्ग ने दिसंबर कुल नए खाताधारकों में लगभग 49.19 प्रतिशत योगदान कड़ों के मुताबिक इस दौरान महाराष्ट्र, हरियाणा, गुजरात, और कर्नाटक रोजगार देने के मामले में अग्रणी रहे।

वित्त वर्ष 2021-22 में GEM पोर्टल से एक लाख करोड़ रुपए से अधिक खरीद की उम्मीद

नई दिल्ली: सार्वजनिक खरीद पोर्टल जीईएम से वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान वस्तुओं और सेवाओं की एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की खरीद होने की उम्मीद है। इस दौरान रक्षा मंत्रालय और पीएसयू से खरीदारी तेजी से बढ़ने का अनुमान है। सरकारी ई-मार्केट (जीईएम) पोर्टल की शुरुआत अगस्त 2016 में हुई थी, जहां से सभी सरकारी मंत्रालय एवं विभाग ऑनलाइन खरीदारी कर सकते हैं। जीईएम के सीईओ तलीन कुमार ने कहा कि 2020-21 में ऑर्डर मूल्य 37,000 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जो इससे पिछले साल 22,896 करोड़ रुपए था। कुमार ने कहा, ''मार्च 2021 तक रेल मंत्रालय के शामिल होने के साथ जीईएम अगले वित्त वर्ष में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक के ऑर्डर मूल्य की ओर बढ़ रहा है, जो तीन गुना वृद्धि को दर्शाता है। सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (पीएसयू) ने इस साल अब तक जीईएम पर 3,372 करोड़ रुपए से अधिक की वस्तुओं और सेवाओं की खरीद की है। इसी तरह रक्षा मंत्रालय ने इस साल अब तक 3,406 करोड़ रुपए से अधिक की खरीदारी की।

10 सर्वाधिक मूल्यवान कंपनियों में आठ का बाजार पूंजीकरण 1.23 लाख करोड़ रुपए घटा

नई दिल्ली: शेयर बाजार में गिरावट के चलते देश की 10 सर्वाधिक मूल्यवान कंपनियों में आठ का बाजार पूंजीकरण पिछले सप्ताह 1.23 लाख करोड़ रुपए घटा गया। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स में 654.54 अंक या 1.26 प्रतिशत की गिरावट आई। शीर्ष 10 कंपनियों में सिर्फ रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने बढ़त दर्ज की। सबसे अधिक गिरावट टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में हुई और इसका बाजार मूल्यांकन 44,672.14 करोड़ रुपए घटकर 11,52,770.11 करोड़ रुपए रह गया। इसी तरह एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 23,964.99 करोड़ रुपए घटकर 8,47,754.65 करोड़ रुपए रह गया। इस दौरान आईसीआईसीआई बैंक के बाजार पूंजीकरण में 16,146.38 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान यूनिलीवर में 14,273.56 करोड़ रुपए की कमी आई। एचडीएफसी का मूल्यांकन 9,408.05 करोड़ रुपए घटकर 4,92,908.61 करोड़ रुपए रह गया, जबकि इंफोसिस के मूल्यांकन में 7,735.21 करोड़ रुपए की कमी हुई।

जल्द ही फिर उड़ान भरेगी दिवालिया हो चुकी Jet Airways!

नई दिल्ली:

देश की सबसे पुरानी प्राइवेट एयरलाइन जेट एयरवेज की फ्लाइट्स एक बार फिर से उड़ान भरने को तैयार है। कंपनी को नया खरीदार मिल गया है। लेनदारों की समिति द्वारा दिवालिया हो चुकी जेट एयरवेज की बोली को जालान कल्क्रॉक कंसोर्टियम **(Jalan Kalrock Consortium)** ने जीत लिया है। कंसोर्टियम अब नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल **(NCLT)** से रिजॉल्यूशन प्लान की मंजूरी मिलने के बाद चार से छह महीनों में डिफॉल्ट एयरलाइन के परिचालन को फिर से शुरू कर सकती है। कंपनी ने इसकी जानकारी दी है। **Jalan Kalrock Consortium** ने मिंट से कहा कि शुरुआत में जेट एयरवेज लगभग 25 विमानों के साथ उड़ान शुरू करेगा। जालान एक अधिकारी ने फोन पर बातचीत में अखबार से कहा कि **NCLT** के फैसले के बाद हम चार से छह महीने के भीतर विमान सेवा शुरू कर पाएंगे। कंपनी भारतीय विमानन के बारे में बहुत सकारात्मक है और भविष्य उज्वल है। **NCLT** की ओर से मंजूरी मिलने के बाद रिजॉल्यूशन प्लान **(Resolution Plan)** को सिविल एविएशन मंत्रालय के पास भेजा जाएगा। उसके बाद इसे सिविल एविएशन डायरेक्टरेट **(DGCA)** के पास भेजा जाएगा। बता दें कि भारी घाटे और कर्ज के कारण जेट एयरवेज अप्रैल 2019 में बंद हो गई थी। उस

समय कंपनी के प्रमोटर नरेश गोयल को 500 करोड़ रुपए की जरूरत थी, लेकिन वे इसे जुटा नहीं पाए। हालात यह हो गई कि कर्मचारियों की सैलरी और अन्य खर्च भी नहीं निकल पा रहे थे। जेट एयरवेज बंद होने के बाद इसके करीब 17 हजार कर्मचारी सड़कों पर आ गए थे। इसके बाद जेट एयरवेज को कर्ज देने वाले बैंकों के कंसोर्टियम ने नरेश गोयल को कंपनी के बोर्ड से हटा दिया। एयरलाइन के बेड़े में एक समय 120 विमान थे, जो इसके बंद होने के समय सिर्फ 16 रह गए थे। फंड की समस्या की वजह से कंपनी को संचालन बंद करना पड़ा। कंपनी जून 2019 में कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया के तहत चली गई। इसका घाटा मार्च 2019 को समाप्त वित्त वर्ष में बढ़कर 5,535.75 करोड़ रुपए हो गया। विशेषज्ञों का कहना है कि जेट को फिर से उड़ान सेवा शुरू करने के लिए बड़ी संख्या में नई नियुक्तियां करनी होंगी। यह कोरोना के बाद सुस्त पड़े जॉब मार्केट में तेजी लाने का काम करेगा।

भारतीय चिकित्सा उद्योग को संबल प्रदान कर सकता है कोविड-19: हिंदुस्तान यूनिलीवर

नई दिल्ली: कोरोना वायरस महामारी भारत को अपने चिकित्सा उद्योग को मजबूत करने तथा दुनिया के लिए दवा उत्पादों के प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरने का मौका प्रदान कर सकता है। हिंदुस्तान यूनिलीवर के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संजीव मेहता ने शनिवार को यह टिप्पणी की। मेहता ने सक्रिय औषधि अवयवों (एपीआई) का विनिर्माण पुन~ प्रारंभ करने की वकालत करते हुए कहा कि यह न सिर्फ भारत को दुनिया के लिए किफायती चिकित्सा का केंद्र बनने में मदद करेगा बल्कि यह देश के लिए वृद्धि का प्रमुख इंजन भी बन सकता है। उन्होंने अखिल भारतीय प्रबंधन संगठन (एआईएमए) के स्थापना दिवस के मौके पर प्रमुख आभासी संबोधन में कहा, ''मेरा मानना है कि जैसे वाई2के संकट ने देश में आईटी उद्योग को सहायता प्रदान की, मौजूदा महामारी उसी तरह से चिकित्सा उद्योग को संबल प्रदान कर सकती है।'' मेहता ने कहा कि चिकित्सा उद्योग को न सिर्फ देश के लोगों के कल्याण पर ध्यान देने की जरूरत है, बल्कि मूल्य श्रृंखला में सुधार और दुनिया के लिए दवा उत्पादों की आपूर्ति का प्रमुख केंद्र बनने पर भी ध्यान देने की जरूरत है।

सरकार मददगार, निजी क्षेत्र है वृद्धि का वाहक: सीतारमण

बेंगलुरु:

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि केंद्रीय बजट 2021-22 में सरकार एक मददगार की भूमिका में है और निजी क्षेत्र वृद्धि का प्रमुख वाहक है, जिसके बिना देश एक बड़ा अवसर खो सकता है। उन्होंने बेंगलौर चैंबर ऑफ इंडस्ट्री एंड कॉमर्स द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि यहां सबसे महत्वपूर्ण बात निजी क्षेत्र की भागीदारी है। जब तक निजी क्षेत्र में पर्याप्त ऊर्जा नहीं होगी, जब तक निजी क्षेत्र को पर्याप्त सुविधा नहीं दी जाएगी, तक तक भारत सिर्फ एक बहुत बड़ा अवसर खोता रहेगा। सीतारमण ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में देश की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं और जरूरतों को सिर्फ राज्य सरकार और केंद्र सरकार द्वारा मिलकर पूरा नहीं किया जा सकता। वित्त मंत्री के मुताबिक कोरोना वायरस वैक्सीन का विकास सरकारी-निजी भागीदारी का एक बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि एक वैश्विक नेता के रूप में भारत अधिक मानवीय है, हर किसी को एक साथ लाने का इच्छुक है, शांतिपूर्ण है, जो वास्तव में सभी की भलाई के लिए दुनिया की तरक्की चाहता है। उन्होंने कहा, ''अगर भारत को इस तरह अपनी जिम्मेदारी निभानी है, तो यह तब तक अधूरा रहेगा, जब तक कि सरकार अपनी भूमिका नहीं निभाती। सरकार की भूमिका मददगार की है और निजी क्षेत्र को प्रमुख वाहक की भूमिका निभानी होगी। इस बजट का यही संदेश है। सीतारमण ने कहा कि बजट ने अगले दशक के लिए रास्ता तय किया है। उन्होंने बताया कि प्रोत्साहन पैकेजों, जो मोटेतौर पर सरकारी उधार पर निर्भर थे, के तहत अवसंरचना जैसे ऐसे क्षेत्रों पर ध्यान दिया गया, जिनका व्यापक असर था। उन्होंने कहा कि सरकार ने उधार लेकर राहत दी है और उसे राजकोषीय प्रबंधन के बारे में पता है। वित्त मंत्री ने कहा कि ऋण-जीडीपी अनुपात एक अन्य संकेतक है, जो स्वस्थ्य अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है और जिसका प्रबंधन सावधानीपूर्वक किया जाना चाहिए। साथ ही राजकोषीय घाटे को भी स्वस्थ स्तर पर रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार टिकाऊ वृद्धि चाहती है। इस कार्यक्रम में विप्रो के संस्थापक अजीम प्रेमजी, इंफोसिस के पूर्व निदेशक टी वी मोहनदास पई, प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. देवी प्रसाद शेट्टी और वोल्वो इंडिया के अध्यक्ष तथा चेयरमैन कमल बाली उपस्थित थे।

किसान आंदोलन के बीच सरकार ने खरीदा 6.5 करोड़ टन धान, 94 लाख किसानों को हुआ फायदा

नई दिल्ली: केंद्र ने चालू खरीफ विपणन सत्र में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर लगभग 1.23 लाख करोड़ रुपये का 651.07 लाख टन धान की खरीद की है जो पिछले सत्र में इसी दौरान की खरीद से करीब 16 प्रतिशत अधिक है। गौरतलब है कि कृषि बाजार में सुधार के लिए बनाए गए तीन नये कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर किसानों का विरोध प्रदर्शन जारी है। खरीफ विपणन का मौसम अक्टूबर से शुरू होता है। खाद्य मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा, ''खरीफ विपणन सत्र 2020-21 में, सरकार एमएसपी स्कीमों के अनुसार किसानों से खरीफ 2020-21 फसलों की खरीद करना जारी रखे है, जैसा कि पिछले सत्र में किया गया था। केंद्र ने 19 फरवरी तक 651.07 लाख टन धान की खरीद की है, जो पिछले सत्र की इसी अवधि में 561.67 लाख टन की खरीद से 15.91 प्रतिशत अधिक है। मंत्रालय ने कहा, ''चालू खरीद अभियान से लगभग 93.93 लाख किसान पहले ही 1,22,922.58 करोड़ के एमएसपी मूल्य पर हुए खरीद कार्यों से लाभान्वित हो चुके हैं।%% धान की अब तक हुई 651.07 लाख टन की कुल खरीद में से, पंजाब ने अकेले 202.82 लाख टन का योगदान दिया है जो कुल खरीद का 31.15 प्रतिशत हिस्सा है। मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के हजारों किसान तीन नए कानूनों को रद्द करने और एमएसपी की कानूनी गारंटी के लिए दिल्ली-सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

ों के GST राजस्व की कमी चालू वित्त वर्ष में 40,000 करोड़ रुपए तक घट सकती है

नई दिल्ली:

र महीनों के दौरानवस्तु एवं सेवा ी) संग्रह में सुधार के चलते राज्यों होने वाली कमी में पूर्व अनुमानों के रीब 40,000 करोड़ रुपए की सकती है। एक अधिकारी ने यह जीएसटी संग्रह में भारी कमी के ान जताया गया था कि जीएसटी ज्यों के हिस्से में 1.80 लाख करोड़ ी होगी। इसमें 1.10 लाख करोड़ जस्व हानि जीएसटी लागू होने के बकि 70,000 करोड़ रुपए का ोविड-19 महामारी के चलते । केंद्र ने राज्यों के हिस्से वाले करोड़ रुपए के जीएसटी राजस्व हानि की भरपाई के लिए एक विशेष खिड़की की स्थापना की है। अधिकारी ने बताया, ÷हमने कुछ गणनाएं की हैं, जिनसे पता चलता है कि चालू वित्त वर्ष में यह कमी लगभग 30,000-40,000 करोड़ रुपए घट सकती है।÷ अधिकारी ने आगे कहा कि विशेष खिड़की के माध्यम से 1.10 लाख करोड़ रुपए उधार लिए जाएंगे और अतिरिक्त राशि का इस्तेमाल कोविड-19 के कारण राजस्व के नुकसान की भरपाई के लिए किया जाएगा। केंद्र ने जीएसटी क्षतिपूर्ति के रूप में पहले ही राज्यों को एक लाख करोड़ रुपये जारी किए हैं। अधिकारी ने आगे कहा कि जीएसटी परिषद मार्च में अपनी आगामी बैठक में एक अप्रैल से अगले वित्त वर्ष के लिए राज्यों को क्षतिपूर्ति की व्यवस्था पर फैसला करेगी। उन्होंने कहा, इस वित्त वर्ष की तुलना में अगले वित्त वर्ष में राजस्व घाटा बहुत कम होगा। हालांकि, 14 प्रतिशत राजस्व वृद्धि के लक्ष्य को पूरा करना मुश्किल होगा।

8 अवसंरचना परियोजनाओं की लागत में 4.02 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी

ई दिल्ली:

ी और कार्यक्रम ंत्रालय की एक रिपोर्ट 150 करोड़ रुपए से 448 अवसंरचना की लागत में कुल करोड़ रुपए की है। मंत्रालय 150 और उससे अधिक ी अवसंरचना की निगरानी करता के मुताबिक ऐसी ोजनाओं में से 448 की लागत में बढ़ोतरी हुई है और 539 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट में जनवरी 2021 के बारे में कहा गया है, 1,739 परियोजनाओं के कार्यान्वयन की कुल मूल लागत 22,18,210.29 करोड़ रुपए थी और अब उनकी अनुमानित समापन लागत 26,20,618.44 करोड़ रुपए है, जो लागत में 4,02,408.15 करोड़ रुपए (मूल लागत का 18.14 प्रतिशत) की कुल बढ़ोतरी को दर्शाता है।÷ रिपोर्ट के मुताबिक इन परियोजनाओं पर जनवरी 2021 तक कुल 12,29,517.04 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो परियोजनाओं की अनुमानित लागत का 46.92 प्रतिशत है। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की ताजा समयसारिणी के अनुसार गणना की जाए तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या घटकर 401 हो सकती है। इसके अलावा 941 परियोजनाओं के पूरा होने की अवधि के बारे में सूचना नहीं दी गई है।

CNG वाहनों की बढ़ी मांग को भुनाने के प्रयास में है मारुति सुजुकी

नई दिल्ली:

पेट्रोल और डीजल की आसमान छूती कीमतों के बीच मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) अपने सीएनजी वाहनों की बढ़ी मांग को भुनाने में लगी है। कंपनी चालू वित्त वर्ष में सीएनजी वाहनों की बिक्री में लगभग 50 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। कंपनी अभी भारत में कुल उपलब्ध 14 में से आठ मॉडलों में सीएनजी विकल्प प्रदान करती है। कंपनी इस पोर्टफोलियो के विस्तार के लिये भी सक्रिय रूप से काम कर रही है। मारुति सुजुकी इंडिया के कार्यकारी निदेशक (विपणन एवं बिक्री) शशांक श्रीवास्तव ने कहा, ''इस साल उद्योग में सीएनजी (वाहन) लगभग 37 प्रतिशत बढ़ा है, जब अप्रैल-जनवरी की अवधि में कुल वृद्धि नकारात्मक (18 प्रतिशत गिरावट) रही है। इसका मतलब है कि सीएनजी विकल्प बहुत अच्छी तरह से बढ़ रहा है। यह बताते हुए कि सीएनजी वाहनों की मांग क्यों बढ़ गई है, उन्होंने कहा कि ईंधन के रूप में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में नाटकीय रूप से वृद्धि हुई है। इससे वाहनों को चलने की लागत बढ़ गई है।

श्रीवास्तव ने कहा, ''सीएनजी पर वाहन चलाने की लागत केवल 1.5 रुपए प्रति किलोमीटर है, जबकि पेट्रोल और डीजल के लिए यह लगभग 4 रुपए प्रति किलोमीटर है। लोग अब सीएनजी पसंद कर रहे हैं, क्योंकि चलने की लागत बहुत कम है, इसलिए सीएनजी वाहनों की बिक्री में वृद्धि हुई है।

लॉकडाउन के बाद वाहनों की ऑनलाइन खरीद-फरोख्त बढ़ी

नई दिल्ली:

कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के कारण लॉकडाउन लगाए जाने के बाद से वाहनों की खरीद फरोख्त में ऑनलाइन का इस्तेमाल बढ़ गया है। इस दौरान ऑनलाइन वाहनों की खरीद बिक्री में 300 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। ऑनलाइन ऑटोमोबाइल मार्केट ड्रूम ने अपनी वार्षिक ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री ट्रेंड रिपोर्ट जारी की है जिसमें यह दावा किया गया है। इसमें कहा गया है कि नए वाहनों की तुलना में पुराने वाहनों की ऑनलाइन खरीद बिक्री ज्यादा बढ़ी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 के बाद लिस्टिंग की संख्या में 300 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हो गई है, जो उपभोक्ताओं में ऑनलाइन गतिविधियों के बढ़ने को दर्शाता है। व्हाइट एंड सिल्वर कलर के लिए भारत के लोगों के जुनून की फिर पुष्टि हुई है और इन दो रंगों के वाहनों की बिक्री पुरानी कारों की कुल बिक्री के 50 प्रतिशत से अधिक है। भारत में लोगों द्वारा डीजल चालित कारों के चुनाव में वृद्धि होना जारी है, जो 2015 में बेची गई कुल पुरानी कारों के 35 प्रतिशत से बढ़कर 2020 तक 65 प्रतिशत हो गई थी। ड्रूम के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) संदीप अग्रवाल ने कहा कि ड्रूम में हम ऑटोमोबाइल खरीदने और बेचने के लिए 21वीं सदी के डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म और इकोसिस्टम का निर्माण कर रहे हैं। स्पष्ट है कि हम एक प्योर-प्ले ऑनलाइन कंपनी हैं और हमारे पास ऑटोमोबाइल के खरीदारों, विक्रेताओं, लिस्टिंग, ब्रांडों, वर्षों और शहरों का कई पेटाबाइट्स डाटा है। इस डेटा से ऑटोमोबाइल उद्योग बिरादरी के साथ शीर्ष अंतर्दृष्टि साझा करना हमेशा ही एक बड़ी खुशी की बात होती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंग्लैंड की रोटेशन पॉलिसी से अच्छे क्रिकेटर तैयार हो रहे हैं : स्टेन

जोहानसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने इंग्लैंड की रोटेशन पॉलिसी का समर्थन करते हुए कहा है कि इससे इंग्लैंड अच्छे क्रिकेटर तैयार कर रहा है। इंग्लैंड की रोटेशन पॉलिसी विवादों में रही है लेकिन स्टेन के अनुसार इससे खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलने का मौका मिल रहा है और इंग्लैंड धीरे-धीरे इससे अच्छे क्रिकेटरों की फौज तैयार कर रहा है। स्टेन ने ट्वीट कर कहा, इंग्लैंड की रोटेशन पॉलिसी से अच्छे क्रिकेटर तैयार हो रहे हैं। हम अभी इसकी आलोचना कर रहे हैं लेकिन अगले आठ वर्षों में होने वाले आठ आईसीसी टूर्नामेंटों को देखते हुए इंग्लैंड को टीम में अंतरराष्ट्रीय अनुभव के खिलाड़ी चुनने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी होगी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉ और केविन पीटरसन ने भारत के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज के दौरान नियमित खिलाड़ियों को आराम दिए जाने की आलोचना की थी। इंग्लैंड मैनेजमेंट ने हालांकि रोटेशन पॉलिसी का बचाव किया और उन्हें वेस्टइंडीज के सीमित ओवरों के कप्तान कीरोन पोलार्ड सहित अन्य लोगों का भी साथ मिला। पोलार्ड ने आईएएनएस से कहा, बबल में रहना काफी कठिन है। मैंने कई लोगों से सुना है। वह कभी बबल में नहीं रहे हैं और उन्हें नहीं पता इससे कैसे पार पाना है। जब कोई खिलाड़ी इससे निकलने का फैसला करता है तो मुझे नहीं लगता इससे दुखी होनी की जरुरत है।

आईएसएल-7 : पहली बार प्लेऑफ में जाने के लिए हर हाल में एटीकेएमबी पर जीत चाहेंगे निजाम्स

वास्को (गोवा)। हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन में निजाम्स नाम से मशहूर हैदराबाद एफसी एक सरप्राइज पैकेज के रूप में उभरा है। अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर यह टीम अभी अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है और अब वह सोमवार को तिलक मैदान स्टेडियम में एटीके मोहन बागान को हराकर पहली बार प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करना चाहेगा। आईएसएल में अपना दूसरा सीजन खेल रही हैदराबाद की टीम एक तरफ जहां शानदार फार्म में है वहीं एटीकेएमबी भी बेहतरीन फार्म की बदौलत न सिर्फ टेबल टॉपर बने हुए हैं बल्कि पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं। इस टीम ने लगातार पांच जीत के साथ मुम्बई सिटी एफसी को टॉप से हटाया है। इस टीम ने बीते पांच मैचों में 13 गोल किए हैं और सिर्फ पांच गोल खाए हैं। प्लेऑफ का टिकट कटाने के बावजूद एटीकेएमबी को जीत के सख्त दरकार है क्योंकि निजाम्स पर जीत उसे लीग विनर्स शील्ड और एएफसी चैम्पियंस लीग स्पाट पक्की करा देगी। हैदराबाद के कोच मैनुएल मारक्वेज ने कहा है कि एटीकेएमबी जैसी मजबूत टीम का टूर्नामेंट के इस स्तर पर सामना करना उनके टीम के लिए रोमांचक चुनौती होगी। मारक्वेज ने कहा, हम लीग की सबसे मजबूत टीम के खिलाफ खेलेंगे। अभी एटीकेएमबी लीग में सबसे अच्छे फार्म में है। यह काफी काम्पैक्ट टीम है और इसके पास एंटोनियो हाबास की शैली में खेलने वाले कई अच्छे खिलाड़ी हैं। निजाम्स का सामना न सिर्फ सीजन की सबसे मजबूत डिफेंस वाली टीम से होना है बल्कि उसके सामने इस टीम के सबसे करिश्माई खिलाड़ी राय कृष्णा को भी रोकने की चुनौती होगीजो अब तक 18 गोल का योगदान दे चुके हैं और बीते छह मैचो में लगातार गोल किए हैं। मारक्वेज ने कहा, मेरे लिए वह लीग के सबसे अच्छे फारवर्ड हैं। वह कई तरह से स्कोर कर सकते हैं। वह लम्बे नहीं हैं लेकिन वह चालाक हैं। वह तीव्र हैं और जानते हैं कि उन्हें कब दौड़ लगानी है। वह एक कम्प्लीट सेंटर फारवर्ड हैं। इस मैच का दूसरा हाफ निर्णायक साबित होगा क्योंकि दोनों ही टीमों ने अपने सबसे अधिक गोल ब्रेक के बाद किए हैं। मुम्बई ने जहां अब तक अपने कुल 26 में से 21 गोल दूसरे हाफ में किए हैं जबकि हैदराबाद ने 25 में से 20 गोल ब्रेक के बाद किए हैं। बंगाल के कोच हबास के साथ-साथ कई अन्य कोचों ने इस सीजन में हैदराबाद के प्रदर्शन को सराहा है। हबास ने कहा, यह सीजन निजाम्स के लिए अच्छा रहा है। हमें इस टीम के खिलाफ आत्मविश्वास बनाए रखना होगा। अटैक और डिफेंस के बीच यह टीम संतुलित है। इस टीम ने इस सीजन में सबको चौंकाया है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : जोकोविच ने लगाई खिताबी हैट्रिक

मेलबर्न । विश्व के नंबर-1 खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने फाइनल मुकाबले में चौथी सीड रूस के डेनिल मेदवेदेव को हराकर रविवार को वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष एकल वर्ग का खिताब लगातार तीसरी बार जीत लिया।जोकोविच ने एक घंटे 53 मिनट तक चले मुकाबले में मेदवेदेव को लगातार सेटों में 7-5, 6-2, 6-2 से हराकर लगातार तीसरे और कुल नौवीं बार खिताब जीता।33 वर्षीय जोकोविच ने इससे पहले 2019 और 2020 में भी ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। इस जीत के साथ ही जोकोविच ने अपने करियर में 18 ग्रैंड स्लैम खिताब जीत लिए हैं और वह स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर और स्पेन के राफेल नडाल के 20 ग्रैंड स्लैम खिताब से अब दो कदम दूर हैं। जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में 2019 में नडाल को और 2020 में ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थीम को हराया था। मेदवेदेव का लगातार 20 मैचों से चला आ रहा विजय क्रम इस मुकाबले में हार के साथ ही रुक गया। उन्होंने लंदन में एटीपी फाइनल्स में जोकोविच को हराया था। मेदवेदेव के करियर का यह दूसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल था। उन्हें इससे पहले 2019 यूएस ओपन में नडाल के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।जोकोविच ने शुरुआत से ही मैच में आक्रामक रुख अख्तियार किया और मेदवेदेव की शुरुआती सर्विस तोड़ी। उन्होंने इसके बाद पहले सेट में 3-0 की बढ़त बनाई।

हालांकि मेदवेदेव ने भी वापसी की कोशिश की। 12वें गेम में टाई ब्रेक से बचने के लिए जोकोविच ने खेल में तेजी लाई और सेट में तीन अंक अपने नाम किए। जोकोविच ने दूसरे सेट में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और मेदवेदेव को अपने ऊपर हावी होने का मौका नहीं दिया। विश्व के नंबर-1 खिलाड़ी ने सेट में 4-1 की बढ़त हासिल की। जोकोविच ने यह मुकाबला लगभग एकतरफा बना दिया और मेदवेदेव को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। मेदवेदेव ने मुकाबले में जोकोविच को चुनौती देने की कोशिश की लेकिन सर्बियाई खिलाड़ी इस चुनौती को खारिज कर आगे बढ़ते रहे। जोकोविच ने मुकाबले में तीन एस जबकि मेदवेदेव ने छह एस लगाए। मेदवेदेव ने मैच में 24 और नंबर-1 खिलाड़ी ने 20 एस लगाए। जोकोविच ने मैच में 17 बेजा भूलें की जबकि रूसी खिलाड़ी ने मुकाबले में 30 बेजा भूलें की जो उनके लिए काफी घातक साबित हुई।

फीडे कॉर्पोरेट विश्व शतरंज चैंपियनशिप - एलआईसी और टीसीएस रहे तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली (निकलेश जैन) फीडे कॉर्पोरेट विश्व शतरंज चैंपियनशिप के दूसरे दिन सभी भारतीय टीम ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ सकी और प्ले ऑफ से बाहर हो गयी हालांकि एलआईसी इंडिया और टीसीएस चेन्नई नें अपने अपने ग्रुप मे तीसरा स्थान हासिल किया नियमानुसार सिर्फ पहले स्थान पर रहने वाली टीम ही प्ले ऑफ मे पहुँचने मे सफल रही । विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन की टीम किण्डेर्ड और विश्व नंबर 6 अनीश गिरि की टीम ओसिवर भी प्ले ऑफ मे जगह नहीं बना सकी । भारत की एलआईसी इंडिया वर्ग सी मे 38 टीम मे तीसरे स्थान पर रही । एलआईसी नें छह मैच खेलकर 3 जीत 2 ड्रॉ और 1 हार के साथ कुल 8 अंक बनाए । टीम की ओर से इंटरनेशनल मास्टर दिनेश शर्मा नें सबसे ज्यादा 6 मे से 5.5 अंक बनाए । इस वर्ग मे हंगरी की टीम मॉर्गन स्टेनली 12 अंको के साथ पहले स्थान पर रहकर प्ले ऑफ मे पहुंची । वर्ग ई मे भारत की टीसीएस चेन्नई चार जीत 1 ड्रॉ और 1 हार से कुल 9 अंक बनाकर सयुंक्त तीसरे स्थान पर रही । टीम की ओर से आर प्रग्गानंधा नें 1 हार और 5 जीत दर्ज की पर टीम का सफर आगे नहीं बढ़ सका । वर्ग सी मे अक्षयकल्पा बेंगलुरु से खेल रहे निहाल नें 6 मैच मे 5.5 अंक बनाए पर टीम के खराब खेल के चलते टीम 30 वे स्थान पर रही ।

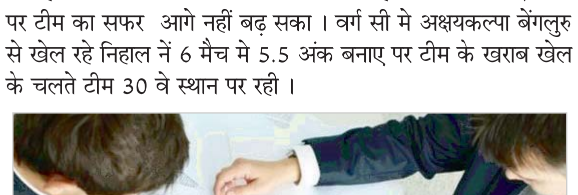

मुक्केबाजी : भारतीय मुक्केबाजों ने जीते 2 और स्वर्ण

बुडवा (मोंटेनेग्रो)।

सनामाचा चानू (75 किलो) और विंका (60 किलो) के स्वर्ण पदक जीतने के बाद दो और भारतीय मुक्केबाजों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 30वें एड्रियाटिक पर्ल मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर चैंपियनशिप में भारत के स्वर्ण पदकों की संख्या तीन तक पहुंचा दिया है।टूर्नामेंट की समाप्ति से एक दिन पहले तक भारत ने दो और स्वर्ण, दो रजत और तीन और कांस्य पदक जीते। इससे पहले, अल्फिया खान (81 किग्रा) ने पहले दिन भारत को स्वर्ण पदक दिलाई थी। सनामाचा ने हमवतन राज साहिबा को 5-0 से जबकि विंका ने मोलदोवा की क्रिस्टियन काइपेर को 5-0 से हराया। दोनों मुक्केबाज इससे पहले 2019 में मोंगोलिया में हुए एशियाई यूथ मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। इससे पहले एशियन जूनियर चैंपियन अल्फिया पठान ने 81 किलो भारवर्ग में मोलदोवा की डारिया कोजोरेव को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था। महिला वर्ग के अन्य मुकाबले में 45-48 किग्रा वर्ग के फाइनल में गीतिका को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद फाइनल में उज्बेकिस्तान की फारजोना फोजिलोवा के खिलाफ 1-4 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा।महिलाओं की ही 57 किग्रा सेमीफाइनल में प्रीति को मोंटेनेग्रो की बोजाना गोजकोविच के खिलाफ 1-4 की हार के साथ कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय टीम के कोच भास्कर भट्ट ने टीम की सफलता के लिए अच्छी तैयारी को श्रेय दिया है। भट्ट ने आईएएनएस से कहा, व्यक्तिगत मजबूती के अनुसार ट्रेनिंग दी गई थी।

चूंकि मुक्केबाजों का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक है, इसलिए इसका मतलब है कि उन्हें सिखाया गया है और वे वास्तविक प्रतियोगिता में इसे दोहराने सक्षम हैं। इस बीच, पुरुष वर्ग में प्रियांशु डबास (49 किग्रा) और जुगनू (91 किग्रा से अधिक) ने कांस्य पदक जीते। दोनों मुक्केबाजों को अपने अपने सेमीफाइनल मुकाबलों में हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।प्रयांशु को उज्बेकिस्तान के इशजोनोव इब्रोखिम के खिलाफ करीबी मुकाबले में 2-3 से हार मिली जबकि जुगनू को युक्रेन के वेसिल तकाचुक ने 5-0 से मात दी।महिलाओं की 64 किग्रा क्वार्टर फाइनल में लकी राणा ने उज्बेकिस्तान के गुलशोदा इस्तामोवा को 3-0 से हराया। कांस्य पदक के लिए अब लकी का सामना फाइनल में फिनलैंड के लिया पुकिला से होगा। लकी के अलावा भारत की दो और महिला मुक्केबाज अंतिम दिन स्वर्ण पदक के लिए चुनौती पेश करेंगी। बेबीरोजिसाना चानू (51 किग्रा) और अरूणधति चौधरी (69 किग्रा) भी आज खिताबी मुकाबले में उतरेंगी।चानू को उज्बेकिस्तान की सबीना बोबोकुलोवा जबकि अरूणधति को युक्रेन की मारयाना स्टोइको के खिलाफ रिंग में उतरना है।

संक्षिप्त समाचार

जेसीबी गोल्फ टूर्नामेंट : शिव खन्ना ने जीता 12वें सीजन का खिताब

नई दिल्ली। गोल्फर शिव खन्ना ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एफआईए-जेसीबी टूर्नामेंट के 12वें सीजन का खिताब अपने नाम कर लिया। जेसीबी इंडिया लिमिटेड के सहयोग से अरावली गोल्फ क्लब में आयोजित एफआईए-जेसीबी गोल्फ टूर्नामेंट के 12वें सीजन में दिल्ली और एनसीआर के 70 से ज्यादा गोल्फरों ने भाग लिया, जिसमें शिव खन्ना विजेता बनकर उभरे। खन्ना टूर्नामेंट के 10वें सीजन में उपविजेता थे। टूर्नामेंट के समापन के बाद जेसीबी इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ दीपक शेट्टी ने कहा, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में चार दशकों से ज्यादा के जेसीबी के सफर में फरीदाबाद का प्रमुख स्थान है। हम फरीदाबाद इंडस्ट्रीज असोसिएशन (एफआईए) के साथ मिलकर गोल्फ टूर्नामेंट के 12वें सीजन के सफल आयोजन से काफी उत्साहित हैं। जेसीबी और एफआईए की साझेदारी कई दशकों से चल रही है और मुझे उम्मीद है कि आगे भी रहेगी।

यूरोप दौरे से अंतरराष्ट्रीय हॉकी में वापसी करेगी भारतीय पुरूष टीम

नई दिल्ली । भारतीय पुरूष हॉकी टीम इस महीने जर्मनी और बेल्जियम के दौरे से तोक्यो ओलंपिक की तैयारियां शुरू करेगी जो पिछले साल मार्च में कोरोना महामारी के बाद से उसका पहला अंतरराष्ट्रीय दौरा होगा। भारतीय टीम के 22 खिलाड़ियों और छह सहयोगी स्टाफ का दल रविवार को बेंगलुरू से जर्मनी के क्रेफेल्ड के लिए रवाना होगा जहां वे मेजबान टीम से 28 फरवरी और दो मार्च को खेलेंगे। इसके बाद भारतीय टीम एंटवर्प जाएगी जहां उसे ब्रिटेन से छह और 8 मार्च को खेलना है। भारतीय टीम की कप्तानी गोलकीपर पी आर श्रीजेश को सौंपी गई है जबकि ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह उपकप्तान होंगे। नियमित कप्तान मनप्रीत सिंह, ड्रैग फ्लिकर रूपिंदर पाल सिंह, अनुभवी फारवर्ड एस वी सुनील और वरूण कुमार टीम में नहीं है। समझा जाता है कि मनप्रीत निजी कारणों से टीम से बाहर हैं जबकि रूपिंदर और वरूण चोटिल हैं। भारतीय टीम ने आखिरी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट पिछले साल फरवरी में भुवनेश्वर में एफआईएच हॉकी प्रो लीग खेला था। आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने अच्छे प्रदर्शन के दम पर भारतीय टीम एफआईएच विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गई जो अब तक का उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारतीय टीम जनवरी से बेंगलुरू में अभ्यास कर रही है। महिला टीम ने पिछले महीने अर्जेंटीना का दौरा किया था जबकि जूनियर महिला टीम चिली दौरे पर गई थी। भारतीय पुरूष टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा- हमें खुशी है कि यूरोप दौरे का मौका मिला है और हम 12 महीने में पहला प्रतिस्पर्धी मैच खेलेंगे। उन्होंने कहा- जर्मनी और ब्रिटेन जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने से काफी अनुभव मिलेगा। इससे हीरो प्रो लीग और ओलंपिक की तैयारी मजबूत होगी। हरमनप्रीत ने कहा- हम एक साल में पहले दौरे से काफी रोमांचित है। जर्मनी और ब्रिटेन के खिलाफ खेलकर हम अपने प्रदर्शन में सुधार कर सकेंगे। इस समय यूरोप में काफी ठंड होगी लेकिन हमारे पास मौसम के अनुकूल ढलने के लिए एक हफ्ते का समय है।

मुंबई और अहमदाबाद को मिल सकती है आईपीएल मैचों की मेजबानी

नई दिल्ली।

मुंबई और अहमदाबाद में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी 14वें सीजन के मैचों का आयोजन किया जा सकता है। इसमें मुंबई के चार आयोजन स्थलों पर लीग चरण के मैचों का आयोजन हो सकता है जबकि अहमदाबाद के सरदार पटेल स्टेडियम में प्लेऑफ दौर के मैच खेले जा सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, लीग चरण के मैचों का आयोजन का चार स्टेडियमों में करने को लेकर चर्चा की गई है। आईपीएल-14 की शुरुआत अप्रैल के दूसरे सप्ताह या उसके बाद हो सकती है। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने आईएएनएस से कहा, फिलहाल मुंबई में चार स्टेडियमों में लीग मैचों की मेजबानी करने की चर्चा है। इसमें ब्रैडबोर्न स्टेडियम, वानखेड़े स्टेडियम, डी.वाई पाटिल स्टेडियम और रिलायंस क्रिकेट स्टेडियम शामिल है। प्लेऑफ मैचों का आयोजन अहमदाबाद के मोटेरा स्थित सरदार पटेल स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा, हालांकि इसकी अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई। टूर्नामेंट का आयोजन अप्रैल के दूसरे सप्ताह या उसके बाद किया जा सकता है। सैयद मुश्ताक अली टी 20 और विजय हजारे वनडे जैसे घरेलू टूर्नामेंटों की सफल मेजबानी ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के लिए भारत में आईपीएल को कराने की राह आसान कर दिया है। कोविड-19 के कारण आईपीएल 2020 को संयुक्त अरब अमीरात में कराया गया था। बीसीसीआई कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने पिछले महीने कहा था कि आईपीएल 2021 भारत में ही आयोजित किया जाएगा। उन्होंने आईएएनएस से कहा था, जैसा कि अभी तक यह तय हुआ है कि आईपीएल भारत में होना चाहिए। यदि ऐसी ही स्थिति बनी रहती है (भारत में कोविड-19 मामलों में गिरावट के साथ) तो यह भारत में होना चाहिए। धूमल ने कहा था, हम इसे भारत में करना चाहते हैं क्योंकि आईपीएल एक भारतीय लीग है। उम्मीद है कि स्थिति समान बनी रहेगी। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि आठ स्थानों के लिए यह कितना सुरक्षित है। शायद हम एक हब के बारे में सोच सकते हैं। हम स्थिति के अनुसार इस पर अंतिम फैसला लेंगे।

टीम में चुने जाने के बाद बोले सूर्यकुमार, यह एक सुखद अहसास

नई दिल्ली। मुंबई के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम में जाने के बाद ट्वीट कर इसे सुखद एहसास बताया है। सूर्यकुमार को इंग्लैंड के खिलाफ 12 मार्च से अहमदाबाद में होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में जगह दी गई है। सूर्यकुमार ने नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम के पिच पर खुद बैठे हुए एक फोटो ट्विटर पर शेयर की। सूर्यकुमार ने फोटो के साथ कैप्शन में तिरंगे की इमोजी के साथ लिखा, यह एक सुखद एहसास। सूर्यकुमार के अलावा मुंबई इंडियंस के ही उनके एक अन्य साथी ईशान किशन को भी टीम इंडिया में जगह दी गई है। ईशान ने शनिवार को मध्यप्रदेश के खिलाफ 94 गेंदों में 173 रन बनाए थे। इसके अलावा राजस्थान रॉयल्स के राहुल तेवतिया को भी टीम में शामिल किया गया था। सूर्यकुमार को इससे पहले पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था। पूर्व क्रिकेटरों और प्रशंसकों ने इस फैसले की काफी आलोचना की थी। सूर्यकुमार ने ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले आईपीएल 2020 के सत्र में उम्दा प्रदर्शन किया था। उन्होंने 40 के औसत से 480 रन बनाए थे और अपनी टीम को आईपीएल का पांचवां खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। भारत और इंग्लैंड के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज चल रही है जिसका तीसरा मुकाबला 24 फरवरी से अहमदाबाद के सरदार पटेल स्टेडियम में खेला जाना है। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा मुकाबला डे-नाईट होगा और इसे गुलाबी गेंद से खेला जाएगा। चार मैचों की सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबर पर है।

चेन्नई की पिच में कोई कमी नहीं थी : ब्रॉड

नई दिल्ली। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा है कि भारत के साथ खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में मिली हार के बाद चेन्नई की पिच को दोष देना सही नहीं है। उन्होंने साथ ही कहा कि चेन्नई की पिच में कोई खराबी नहीं थी। चेन्नई में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए पहले दो टेस्ट मैचों में स्पिनरों को फायदा पहुंचाने वाली पिच के बाद ऐसा शक था कि आईसीसी पिच को प्रतिकूल रेटिंग दे सकता है, जिससे भारत के विश्व टेस्ट रैंकिंग के अंक पर प्रभाव पड़ सकता है। भारत ने इंग्लैंड को दूसरे मैच में हराकर चार मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 से बराबर कर ली थी। भारत के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। ब्रॉड ने डेली मेल के लिए कॉलम में लिखा, हमारे नजरिए से दूसरे टेस्ट मैच की पिच की आलोचना नहीं है, घरेलू मैदान पर कुछ ऐसे ही मेजबान टीम को मदद मिलती है और आपका यह हक है कि आप इसका लाभ उठाएं। भारतीय टीम ने हमसे अच्छा खेल दिखाया, वो काफी क्षमतावान खिलाड़ी हैं जबकि वो पिच हमारे लिए बिल्कुल अलग थी। उन्होंने आगे कहा, हमने मैच में बेहतर प्रदर्शन नहीं किया। चेन्नई की पिच पर हम अपनी क्षमता के अनुसार नहीं खेले।

आईएसएल-7 : पूर्व चैम्पियन बेंगलुरू प्लेऑफ की रेस से बाहर

फातोर्दा (गोवा)।

पहले हाफ में किए गए दो गोलों की बदौलत एफसी गोवा ने रविवार को फातोर्दा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए हीरो इंडियन सुपर (आईएसएल) के सातवें सीजन के मुकाबले में पूर्व चैम्पियन बेंगलुरू एफसी को 2-1 से हराकर तालिका में तीसरा स्थान हासिल कर लिया। इस हार के साथ बेंगलुरू प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गया है। गोवा के लिए इगोर एंगुलो ने 20वें और रेडीम तलांग ने 23वें मिनट में गोल किए। बेंगलुरू के लिए एकमात्र गोल सुरेश ने 33वें मिनट में दागा। गोवा की 19 मैचों में यह सातवीं जीत है और अब वह 30 अंकों के साथ तालिका में तीसरे नंबर पर पहुंच गया है। इस जीत के साथ ही गोवा ने प्लेआफ के लिए अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। बेंगलुरू को 19 मैचों में सातवीं बार का सामना करना पड़ा है और वह 22 अंकों के साथ सातवें नंबर पर है। इस हार के बाद बेंगलुरू प्लेआफ की रेस से बाहर हो गई है। दोनों टीमें के बीच पहले हाफ में ही तीन गोल देखने को मिला। गोवा ने 20वें और 23वें मिनट में लगातार दो गोल करके 2-0 की बढ़त बना ली। जबकि बेंगलुरू ने भी वापसी करते हुए पहले हाफ में एक गोल दागा। गोवा के लिए पहला गोल उसके टॉप स्कोरर इगोर एंगुलो ने 20वें मिनट में ग्लैन मार्टिंस के असिस्ट पर दागा।

एंगुलो के सीजन का यह 13वां गोल है। इसके तीन मिनट बाद ही रेडीम तलांग ने भी बेहतरीन गोल करके गोवा की बढ़त को दोगुना कर दिया। रेडीम ने यह गोल एलेक्जेंडर जेसुराज के असिस्ट पर 23वें मिनट में किया। गोवा के दो गोलों के बाद बेंगलुरू ने भी वापसी की और टीम ने 33वें मिनट में अपना खाता खोल लिया। बेंगलुरू के लिए यह गोल सुरेश वांगजेम ने क्लाइटन सिल्वा के असिस्ट पर किया। इस गोल के बाद बेंगलुरू के पास पहले हाफ की समाप्ति तक बराबरी करने का मौका था। 44वें मिनट में सुनील छेत्री ने सिस्को हर्नांडीज के असिस्ट पर हेडर के जरिए एक बेहतरीन शॉट लगाया, लेकिन मुस्तैद खड़े धीरज सिंह ने इसे बेहतरीन तरीके से सेव करते हुए हाफ टाइम तक गोवा को एक गोल से आगे रखा। दूसरे हाफ के शुरू होने के बाद गोवा के पास अपनी बढ़त को 3-1 करने का मौका था। एंगुलो अपने साथी नोगुएरा के पास पर बॉल को लेकर बेंगलुरू के बॉक्स में घुसे। लेकिन एंगुलो इस बार चूक गए। एंगुलो के चूकने के बाद छेत्री भी 64वें मिनट में बेंगलुरू को बराबरी दिलाने का मौका गंवा बैठे। बेंगलुरू के पास 75वें मिनट में भी बराबरी का गोल दागने का मौका आया। लेकिन इस बार भी किस्मत उससे रूठी रही।

नए मोटेरा स्टेडियम को समझने में हमें 1 घंटा लगा: हार्दिक

अहमदाबाद । भारतीय आलराउंडर हार्दिक पांड्या ने कहा है कि मोटेरा के नवनिर्मित स्टेडियम के आकार को समझने में उन्हें करीब एक घंटे का समय लगा। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट इसी स्टेडियम में बुधवार से खेला जाना है, जोकि डे-नाइट टेस्ट होगा। एक लाख 10 हजार की क्षमता के साथ यह स्टेडियम दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम बन चुका है। सभी टिकटें बिक चुकी हैं। नवंबर 2014 के बाद से पहली बार इस स्टेडियम में कोई अंतर्राष्ट्रीयमैच खेला जाएगा। बीसीसीआई ने ट्विटर पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें हार्दिक ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम में दर्शकों के बीच खेलने का बेताबी से इंतजार है। क्या शानदार मंजर होगा। उन्होंने आगे कहा, सभी खिलाड़ियों को यह बहुत पसंद आया। इस स्टेडियम के आकार को समझने में एक घंटा लगा। मुझे गर्व है कि भारत में यह स्टेडियम है। यहां शानदार मैच होंगे। ऑलराउंडर ने कहा, मैंने ऐसा स्टेडियम नहीं देखा जिसका ड्रेसिंग रूम जिम से जुड़ा हो। इस स्टेडियम को बनाने वाले लोगों गुजरात क्रिकेट संघ (जीसीए) को मैं धन्यवाद देना चाहता हूं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हरि विष्णु

के तीसरे अवतार का सम्पूर्ण जीवन चरित्र

ईश्वर अनंत है। वे सर्वशक्तिमान, करुणामय परमात्मा अपना कोई प्रयोजन न रहने पर भी साधु-परित्राण, धर्म-संरक्षण एवं जीवों पर अनुग्रह करने के लिए शरीर धारण कर लिया करते हैं। श्री हरि विष्णु ने धर्म रक्षा एवं लोक कल्याणार्थ 24 बार अवतार लिया जिसमें तीसरे अवतार के रूप में देवर्षि नारद का अवतार होता है।

मंगलमूर्ति देवर्षि नारद जी मन के अवतार हैं। श्री हरि विष्णु जो कुछ भी करना चाहते हैं, तीनों लोकों में विराजमान सर्वदर्शी वीणापति देवर्षि नारद जी के द्वारा वैसी ही चेष्टा होती है।

देवर्षि नारद जी परम तपस्वी और ब्राह्मतेज से सम्पन्न हैं जो देवराज इंद्र के द्वारा दिए हुए उज्ज्वल, महीन, दिव्य शुभ और बहुमूल्य वस्त्र धारण करते हैं। वह वेद एवं उपनिषदों के ज्ञाता, देवताओं द्वारा वंदनीय, पूर्वकल्पों की बातों के जानकार, महाबुद्धिमान और असंख्य सद्गुणों से सम्पन्न महातेजस्वी, भगवान से प्राप्त वीणा से श्री हरि विष्णु के मधुर मनोहर मंगलमय नाम एवं गुणों का गान करते हुए लोक-लोकांतरों में विचरण करते हैं। वह मुक्ति की इच्छा रखने वाले प्राणियों के हित के लिए सतत प्रयत्नशील रहते हैं। उन्होंने त्रैलोक्य में कितने प्राणियों को किस प्रकार परम प्रभु के पावन पद पद्मों में पहुंचा दिया, इसकी गणना संभव नहीं।

भगवान नृसिंह के अवतरण की पृष्ठभूमि में जाएं तो उसमें देवर्षि नारद का ही योगदान रहा है। बालक प्रह्लाद की दृढ़ भक्ति से भगवान नृसिंह अवतरित हुए। प्रह्लाद के इस भगवद्विश्वास एवं प्रगाढ़ निष्ठा में देवर्षि नारद ही प्रमुख मार्गदर्शक थे। जब भक्त प्रह्लाद गर्भ में थे, उसी समय माता दैत्येश्वरी कयाधू को देवर्षि नारद जी ने भक्ति और ज्ञान का उपदेश दिया। प्रह्लाद जी का वही ज्ञान उनके जीवन और जन्म को सफल बनाने में सहायक रहा।

राजकुमार ध्रुव ने जब पिता के तिरस्कार से व्यथित होकर वन की ओर प्रस्थान किया, उस समय देवर्षि नारद ने उन्हें भगवान वासुदेव का मंत्र दिया तथा उन्हें उपासना की विधि विस्तारपूर्वक बताई। दक्ष प्रजापति ने पंचजन की पुत्री असिक्री से हर्यश्व नामक दस सहस्त्र पुत्र उत्पन्न कर उसे सृष्टि विस्तारण का आदेश दिया और एतदर्थ वे पश्चिम दिशा में सिंधु नदी और समुद्र के संगम पर स्थित पवित्र नारायण सर पर तपश्चरण करने पहुंचे तब देवर्षि नारद जी ने अपने अमृत मय उपदेशों से उन सभी में विरक्ति ला दी जिससे दक्ष प्रजापति बड़े दुखी हुए।

उन्होंने फिर शावलश्व नामक एक सहस्त्र पुत्र उत्पन्न किए। देवर्षि नारद जी ने उन्हें भी भगवच्चरणाविन्दों की ओर उन्मुख कर दिया जिससे क्रुद्ध होकर दक्ष प्रजापति ने अजातशत्रु देवर्षि नारद को शाप दे दिया कि तुम लोक लोकांतरों में भटकते ही रहोगे। देवर्षि नारद ने दक्ष प्रजापति के श्राप को प्रभु श्री हरि विष्णु की मंगलमयी इच्छा समझकर स्वीकार कर लिया और तब से ये लोक कल्याणार्थ एवं धर्म रक्षा के लिए तीनों लोकों में विचरण कर रहे हैं।

शास्त्रों में मिलता है कि जब व्यास जी ने वेदों का विभाग तथा पंचम वेद महाभारत की रचना कर ली लेकिन मन में अपूर्ण कार्य की अनुभूति हो रही थी, इस कारण खिन्न हो रहे थे, तब देवर्षि नारद जी उनके समीप पहुंच गए और व्यास जी के पूछने पर बताया कि आपने भगवान के निर्मल यश का गान प्रायः नहीं किया। मेरी ऐसी मान्यता है कि वह शास्त्र या ज्ञान सर्वथा अपूर्ण है जिससे जगदाधार स्वामी संतुष्ट न हों। वह वाणी आदर के योग्य नहीं है जिसमें श्री हरि की परमपावनी कीर्त वर्णित न हो। देवर्षि नारद कहते हैं कि व्यास जी आपका ज्ञान पूर्ण है, आप भगवान की ही कीर्त का उनकी प्रेममयी लीला का वर्णन कीजिए। नारद जी ने कुल 84 सूत्र दिए हैं जिनमें भक्त और भगवान के आदर्श संबंधों की वृहद व्याख्या है जो स्पष्ट, सटीक और सहज है।

द्वापर में जब दुर्योधन के छल और कुटिल नीति से पांडवों ने अरण्य के लिए प्रस्थान किया, उस समय भारतवंशियों के विनाश सूचक अनेक प्रकार के भयानक अपशकुन होने लगे। चिंतित होकर इस संबंध में धृतराष्ट्र और विदुर परस्पर बातचीत कर ही रहे थे कि उसी समय महर्षियों से घिरे देवर्षि नारद जी कौरवों के सामने आकर खड़े हो गए और सुस्पष्ट शब्दों में उन्होंने भविष्यवाणी करते हुए कहा :

इतश्चतुर्दश वर्से विनक्ष्यन्तीह कौरवाः।
दुर्योधनपराधेन भीमार्जुनबलेन च।।

अर्थात आज से चौदहवें वर्ष में दुर्योधन के अपराध से भीम और अर्जुन के पराक्रम द्वारा कौरवों का नाश हो जाएगा। इतना कह कर महान ब्रह्मतेजधारी नारद जी आकाश में जाकर सहसा अंतर्ध्यान हो गए। जब अविनाशी नारायण और नर बद्रिकाश्रम में घोर तप करते हुए अत्यंत दुर्बल हो गए थे और उस परम तेजस्वी प्रभु का दर्शन अत्यंत दुर्लभ था, उस समय नारद जी महामेरु पर्वत से गंधमादन पर्वत पर उतर गए और जब भगवान नर और नारायण के समीप पहुंचे तब उन्होंने शास्त्रीय विधि से देवर्षि नारद जी की पूजा अर्चना की।

नारद जी ने उनसे अनेक प्रश्नों का तृप्ति कर उत्तर प्राप्त किया और फिर उनकी अनुमति से श्वेतद्वीप में पहुंच कर श्री भगवान के विश्वस्वरूप का दर्शन लाभ कर पुनः गंधमादन पर्वत पर श्री नर-नारायण के समीप चले गए। नारद जी ने भगवान नर-नारायण को सारा वृत्तांत सुनाया और उनके समीप दस सहस्त्र दिव्य वर्षों तक रहकर वे भजन एवं मंत्रानुष्ठान करते हैं।

देवर्षि नारद जी की कीर्त यशगान एवं कृतित्व व्यक्तित्व पर सभी धर्म शास्त्रों में वर्णन मिलता है। स्कंदपुराण में इंद्रकृत देवर्षि नारद जी की अत्यंत सुंदर स्तुति है। उसके संबंध में एक बार भगवान श्री कृष्ण ने नारद जी के गुणों की प्रशंसा करते हुए राजा उग्रसेन से कहा था कि मैं देवराज इंद्र द्वारा किए गए स्तोत्र से दिव्य दृष्टि सम्पन्न देवर्षि नारद जी की सदा स्तुति किया करता हूं।

सर्वे सुहृद देवर्षि नारद जी ही एक मात्र ऐसे हैं जिनका सभी देवता और दैत्यगण समान रूप से सम्मान एवं विश्वास करते हैं उन्हें अपना शुभेच्छु समझते हैं। निश्चय ही वह दयामय सबके यथार्थ हित, साधक के लिए सचित्त और प्रयत्नशील रहते हैं, जब भी करुणामय प्रभु के सच्चे प्रेमी भक्तों को उनके दर्शन हो जाते हैं।

रुद्र संहिता के अनुसार जब राजकुमारी श्रीमती के स्वयंवर में शामिल होने देवर्षि नारद पहुंचते हैं वहां पर उनका चित्त माया से मोहित हो रहा था, उस समय परमेश्वर की कृपा से महादेव जी के दो गण, देवर्षि नारद का उपहास कर रहे थे उन्हें वह शाप दे दिया लेकिन जब दोनों गणों ने देवर्षि नारद जी के पास शापमुक्ति का उपाय पूछा तो उन्होंने कहा कि मैंने जो कुछ शाप में कहा है वह वैसा ही होगा। आप दोनों मुनिवर विश्रवा के पुत्र के रूप में जन्म लेकर रावण कुंभकर्ण के रूप में राक्षस राज का पद प्राप्त करेंगे। वैभव से युक्त परम प्रतापी भी होंगे, समस्त ब्रह्मांड के राजा होकर शिव भक्त एवं जितेंद्रिय होंगे और शिव के ही दूसरे स्वरूप श्री विष्णु के हाथों मृत्यु पाकर फिर अपने पद पर प्रतिष्ठित हो जाएंगे।

इतना ही नहीं देवर्षि नारद जी ने ब्रह्मा जी से शिव तत्व के उत्तम महात्मय का ज्ञान प्राप्त किया। उन्होंने भक्ति मार्ग, ज्ञान मार्ग, तपोमार्ग, दानमार्ग तथा तीर्थमार्ग का वर्णन सुनकर तीनों लोकों में विचरण कर शिव तत्व का प्रचार-प्रसार कर मोक्ष प्राप्त करने का उपाय जीव जंतुओं का बताया।

किन लोगों में बसता है ईश्वर

प्रेम अन्त:करण का अमृत है। जिसकी भावनाएं स्नेहसिक्त होती हैं, वे अनुभूतियों से आनंदित रहते हैं और दूसरों पर उसके छीटें छिड़ककर उन्हें उल्लास प्रदान करते हैं।

प्रेम एक चुंबक है जिसके सहवर्गी तत्व अनायास ही खिंचते चले जाते हैं। यदि प्रेम भावना के साथ आदर्शवादिता भी जुड़ी हुई हो तो अपना संपर्क-क्षेत्र श्रेष्ठ तत्वों के साथ सघन होता चला जाएगा।

बुरी प्रकृति के किंतु प्रेमी स्वाभाव के लोग, बुरी चांडाल चौकड़ी के सरगना बने हुए देखे जाते हैं। यही बात अच्छी प्रकृति पर भी लागू होती है, मधुरता और ममता के साथ यदि सज्जनता भी जुड़ी हुई हो, तो फिर निश्चय ही अपने को देव समाज के सम्मानित सदस्य के रूप में पाया जाएगा।

दर्पण में अपनी ही छाया दिखाई पड़ती है। कुरूप छाया दृष्टिगोचर हो तो दर्पण पर क्रुद्ध होना बेकार है। अपनी मुखाकृति जैसी होगी वैसी ही सूरत सामने खड़ी होगी। दूसरों को सुधारने के लिए अपने में आवश्यक हेर-फेर करना होगा अन्यथा मनमरजी की दुनिया देखने के सपने कभी साकार न हो सकेंगे।

अक्सर होता यह है कि अपने दुर्गुणों की प्रतिक्रिया ही अवांछनीय परिस्थितियों के रूप में इर्द-गिर्द घूमती रहती है। यदि अपने में आवश्यक सुधार कर लिया जाए तो दूसरों में भी उस परिवर्तन का आभास सहज ही होने लगेगा।

जीवनक्रम में प्रमाणिकता का समावेश % सादा जीवन , उच्च विचार % का आदर्श अपनाने से ही हो सकता है। सादगी शालीनता की निशानी है। दूसरों को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शन के साधन जुटा लेना पर्याप्त नहीं है। किसी को चकाचौंध से क्षणभर के लिए चमत्कृत तो किया जा सकता है पर श्रद्धा और विश्वास से भरा सम्मान प्राप्त करने के लिए चरित्र और चिंतन की गहराई ही काम आती है।

अति भावुकों की बात अलग है सामान्यत: विश्वास उपलब्ध करने के लिए प्रमाणिकता की कसौटियों पर खरा उतरना पड़ता है। इस अग्निपरीक्षा में उत्तीर्ण वही हो सकता है जिसने आदर्श की आग में तपाकर अपने व्यक्तित्व को प्रखर एवं परिपक्व बनाया है। इस मार्ग पर चलते हुए % बड़ा आदमी % बना नहीं जाता है।

जड़ें दिखाई नहीं पड़तीं पर पेड़ का अस्तित्व उन्हीं पर निर्भर रहता है।

जीवन की जड़ें कर्तव्यपालन के तंतुओं के रूप में बिखरी हुई देखी जा सकती हैं। प्रेम के जल से इन्हें सींचा जाता है और आत्मसंयम की खाद पाकर वे परिपुष्ट होती हैं। जीवन का वटवृक्ष कितना विशाल, कितना हरित और कितना सघन होता है - यह इस बात पर निर्भर है कि उसकी जड़ें सींचने में कितना प्रयास किया गया ?

जीवन की सफलता और सार्थकता का भवन छोटे-छोटे सद्गुणों की ईंटों और सतर्कता के गारे चूने में चूना जाता है। यदि हम जीवन को महत्वहीन न समझें और उसके सदुपयोग का समुचित ध्यान रखें तो उस लक्ष्य तक सहज ही पहुंच सकते हैं जिसके लिए यह मनुष्य जीवन की महान विभूति उपलब्ध हुई है।

जो सचमुच प्रेम करता है उसका हृदय धरती पर साक्षात स्वर्ग है ! ईश्वर उसमें बसता है क्योंकि ईश्वर प्रेम है !

वास्तु

सावधान! घर का बिगड़ा वास्तु खिला सकता है आपको जेल की हवा

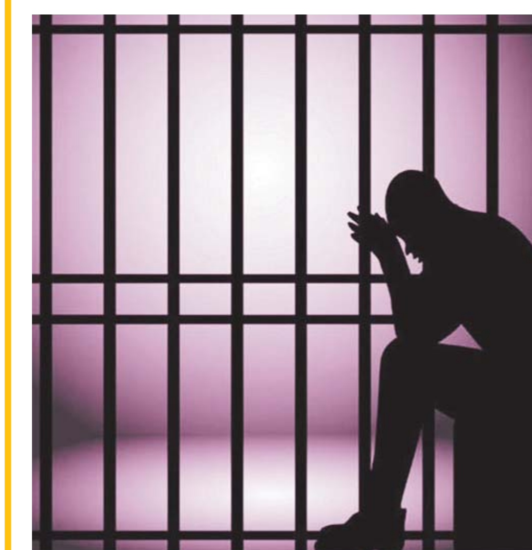

वास्तुशास्त्र में ऐसे भवनों की भी जानकारी दी गई है, जिसमें निवास करने वाले परिवार या उनके किसी सदस्य को परिस्थितिवश जेल जाने की नौबत आ जाती है।

- घर व घर की चारदीवारी के नैऋत्य कोण में मुख्यद्वार या मार्ग प्रहार हो तब ऐसे में दक्षिण नैऋत्य होने पर घर की महिला सदस्य और पश्चिम नैऋत्य में हो तो पुरुष सदस्य के जेल जाने की सम्भावना बनती है।
- नैऋत्य नीचा हो, दक्षिण और नैऋत्य के बीच में या नैऋत्य और पश्चिम के बीच में कुंए, गड्ढे और चैम्बर आदि खोदे जाएं या मोरी बनाई जाए तो उस प्लाट के स्वामी को जबरदस्ती गिरफ्तारी व जेल जीवन का सामना करना पड़ता है।
- जब घर के दक्षिण नैऋत्य में बढ़ाव हो तो घर की महिला सदस्य और यदि घर के पश्चिम नैऋत्य में बढ़ाव हो तो घर के पुरुष सदस्य के जेल जाने की नौबत आती है।
- घर के दक्षिण भाग स्थित मुख्यद्वार इस प्रकार लगा हो कि द्वार से आग्नेय कोण दिखता हो तो घर के किसी सदस्य की गिरफ्तारी होने की आशंका होती है।

घर का वास्तु भी कर सकता है आपको समाज में अपमानित

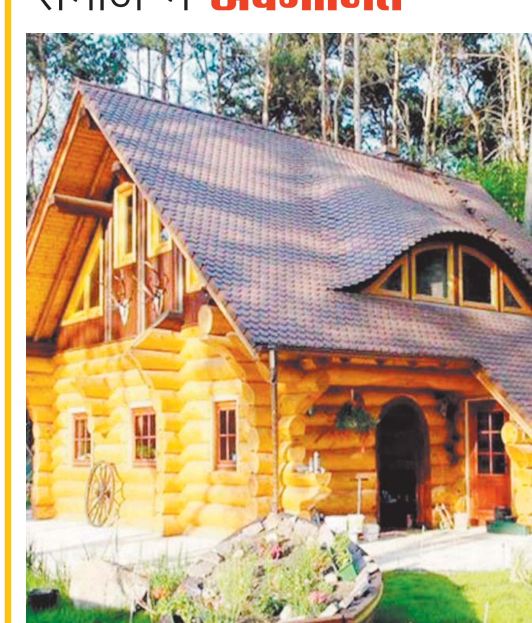

हर वो आदमी जिसमें आत्म सम्मान है वह कभी नहीं चाहता है कि वह अपने जीवन में कभी किसी अन्य के द्वारा अपमानित हो। अपमान किसी भी तरह का हो सकता है, जैसे स्वयं द्वारा या परिवार के किसी सदस्य अवांछनीय कार्य करने से अथवा किसी शत्रु द्वारा किसी प्रकार की साजिश रचने इत्यादि से।

वास्तुशास्त्र में ऐसे घरों की बनावट के बारे में जानकारी दी गई है, जिनमें रहने वालों को अपने जीवन में कभी ना कभी अपमान का सामना करना पड़ता है जैसे –

- घर की पूर्व दिशा की कम्पाऊण्ड वाल सीधी हो और उत्तर दिशा में कट गई हो और यह कटाव सीढ़ियों की तरह उत्तर वायव्य से होता हुए पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहा हो तो ऐसे घर में रहने वालों को अपमान से पीड़ा होगी।
- यदि परिसर का उत्तर ईशान एवं उत्तर दिशा कट गई हो तो परिसर के स्वामी को अपमान का सामना करना पड़ेगा।
- ऐसा घर जिसमें उत्तर के साथ मिलकर अगर वायव्य में बढ़ाव होता हो तो वहां रहने वालों को अपमान का सामना करना पड़ता है।
- किसी प्लाट पर पूर्व की ओर नीचा हो या ऊंचा यदि उस ओर दीवार पर शेड या कमरा आदि बनाया जाएं तो घर के मालिक का अपमान होता है।
- घर का नैऋत्य ऊंचाई पर हो, उधर दक्षिण और नैऋत्य के बीच में या नैऋत्य और पश्चिम के बीच में कुएं, गड्ढे या रंध्र खोदे जाएं या मोरी बनाई जाए तो उस प्लाट का मालिक अपमान से पीड़ित होगा।
- पश्चिम वायव्य पश्चिम दिशा के साथ मिलकर बढ़ाव लिए हुए हो तो प्लाट के स्वामी का जीवन में कभी ना कभी अपमान होता है।
- यदि मुख्यद्वार के साथ सीधे खिड़की जुड़ी हुई हो और खिड़की के पास टूटी-फूटी हालत में या जीर्णक्षीर्ण हालत में दीवार हो, प्लास्टर उखड़ा हुआ हो या खिड़की ही टूटी हुई हो तो उस घर के मुखिया को समाज में अपमान का सामना करना पड़ता है।

सार समाचार

राष्ट्रपति पद से हटने के बाद पहली बार सार्वजनिक कार्यक्रम में दिखेंगे डोनाल्ड ट्रंप, सीपीएसी में लेंगे भाग

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जो बाइडन के हाथों मिली हार के बाद पहली बार अगले सप्ताह सार्वजनिक रूप से नजर आएंगे और वह फ्लोरिडा में 'कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कांफ्रेंस' (सीपीएसी) में भाग लेंगे। 'अमेरिकी कंजर्वेटिव यूनियन' के प्रवक्ता इयान वाल्टर्स ने पुष्टि की कि ट्रंप 28 फरवरी को समूह के वार्षिक सीपीएसी में भाषण देंगे। ट्रंप के भाषण संबंधी जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि ऐसी संभावना है कि इस मौके पर ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी के भविष्य पर बात करेंगे और उनकी आव्रजन नीतियों को पलटने के प्रयासों के लिए मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन की आलोचना करेंगे। सीपीएसी फ्लोरिडा के ओरलैंडो में इस साल होगी, जिसमें पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ, फ्लोरिडा के गवर्नर रोन डेसांटिस और साउथ डेकोटा की गवर्नर क्रिस्टी नोएम समेत पूर्ववर्ती ट्रंप प्रशासन के कई अधिकारी और रिपब्लिक पार्टी के कई नेता भाग लेंगे। ट्रंप जनवरी में व्हाइट हाउस से जाने के बाद से सार्वजनिक रूप से अधिक सक्रिय नहीं हैं, लेकिन रूढ़ीवादी टीकाकार रश लिम्बघ के निधन के बाद उन्होंने पिछले सप्ताह फोन पर कई साक्षात्कार दिए।

अमेरिका में बंदूक की दुकान पर चली ताबड़तोड़ गोलियां, हमलावर समेत तीन की मौत

मेतैरी, एपी। अमेरिका के न्यू ऑरलियंस के उपनगरीय क्षेत्र में एक बंदूक की दुकान पर एक व्यक्ति ने ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर दो लोगों की हत्या कर दी। बाद में वहां मौजूद ग्राहकों और कर्मचारियों ने हमलावर को भी गोली चलाकर मार डाला।

गोली लगने से दो लोगों की मौत, हमलावर भी मारा गया

कानून प्रवर्तन अधिकारी जेफरसन पेरिस शेरिफ के कार्यालय से जारी बयान में इस बात की जानकारी दी गई है। बयान के अनुसार मेतैरी में हुई यह घटना दोपहर की है। हमलावर ने पहले घुसते ही दो लोगों को निशाना बनाया। इसके बाद वहां मौजूद लोगों और कर्मचारियों ने भी गोली चलाई, जिसमें हमलावर मारा गया।

गोली चलने में दो लोग घायल, अस्पताल में भर्ती

गोली चलने में दो अन्य लोग घायल हुए हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां दोनों की हालत सामान्य है। माना जा रहा है कि इस हमले में उसके अन्य साथी भी हो सकते हैं। घटना क्यों और किस तरह से हुई, इसकी अभी जांच की जा रही है।

तीनों मरने वालों की पहचान नहीं हुई

हमलावर सहित तीनों मरने वालों की अभी तक पहचान नहीं हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना था कि जैसा शूटिंग रेंज में गोलियां चलने की आवाज होती है, उससे ज्यादा तेज इन गोलियों की आवाज थी।

अभी गर्दिश में ही रहेंगे इमरान खान के सितारे, पाक के ग्रे लिस्ट से बाहर आने की उम्मीद नहीं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के एफएटीएफ की 'ग्रे लिस्ट' से बाहर निकलने की उम्मीद नहीं है, क्योंकि कुछ यूरोपीय देशों ने यह रुख अपनाया है कि इस्लामाबाद ने इसके द्वारा निर्धारित कार्ययोजना के सभी बिंदुओं को पूरी तरह से लागू नहीं किया है। यह जानकारी रविवार को मीडिया की एक खबर दी गई। एफएटीएफ की आतंकवाद के वित्तपोषण पर निगरानी के लिए पूर्ण बैठक 22 फरवरी से होने वाली है। ऐसे में माना जा रहा है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के सितरे अभी भी गर्दिश में ही रहने वाले हैं, क्योंकि पाकिस्तान को जल्द राहत मिलती नहीं दिख रही है। पेरिस स्थित वित्तीय कार्यबल (एफएटीएफ) ने जून 2018 में पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में रखा था और इस्लामाबाद को 2019 के अंत तक आतंकवाद के वित्तपोषण पर लगाम लगाने के लिए कार्ययोजना को लागू करने के लिए कहा था, लेकिन बाद में कोविड-19 महामारी के कारण यह समयसीमा बढ़ा दी गई थी। डॉन अखबार के अनुसार, एफएटीएफ का पूर्ण सत्र 22 फरवरी से

25 फरवरी तक पेरिस में आयोजित होगा, जिसमें पाकिस्तान सहित ग्रे सूची के विभिन्न देशों के मामलों पर विचार किया जाएगा और बैठकों के समापन पर इस पर निर्णय लिया जाएगा। अक्टूबर 2020 में आयोजित अंतिम पूर्ण सत्र में, एफएटीएफ ने निष्कर्ष निकाला था कि पाकिस्तान फरवरी 2021 तक अपनी ग्रे लिस्ट में जारी रहेगा क्योंकि यह वैश्विक धनशोधन और आतंकवादी वित्तपोषण निगरानी के 27 में से छह दायित्वों को पूरा करने में विफल रहा है। उसके अनुसार इसमें भारत के दो सबसे वांछित आतंकवादी - जैश-ए मोहम्मद प्रमुख मौलाना मसूद अजहर और जमात-उद-दावा प्रमुख हाफिज सईद के खिलाफ कार्रवाई भी शामिल है। अजहर और सईद भारत में कई आतंकवादी कृत्यों में उनकी संलिप्तता के लिए सबसे वांछित आतंकवादी हैं, जिनमें 26/11 मुंबई आतंकवादी हमला और पिछले साल जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सीआरपीएफ की बस पर आतंकी हमला शामिल है। इन घटनाक्रमों से जुड़े एक आधिकारिक सूत्र ने शनिवार को अखबार को बताया कि पाकिस्तान ने छह सिफारिशों का अनुपालन किया है और एफएटीएफ सचिवालय को विवरण भी प्रस्तुत कर दिया है।

प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी के बावजूद म्यांमार में नहीं थम रहा विरोध प्रदर्शन

यांगून। (एजेंसी)।

देश के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले में सुरक्षा बलों द्वारा प्रदर्शनकारियों पर की गई गोलीबारी में दो लोगों की मौत के एक दिन बाद रविवार को म्यांमार के कई शहरों में प्रदर्शनकारी फिर इकट्ठा हुए। पुलिस की गोलीबारी में मारे गए एक युवक का अंतिम संस्कार भी इस बीच किया गया। आंग सान सू ची की निर्वाचित सरकार के एक फरवरी को हुए तख्तापलट के बाद देश की सड़कों पर हो रहे विरोध प्रदर्शनों में हजारों लोग हिस्सा ले रहे हैं और इन प्रदर्शनों में म्या थ्वेट थ्वेट खिने मरने वाली पहली युवती हैं, जिसकी आधिकारिक पुष्टि हुई है। राजधानी ने पी ता में हुए प्रदर्शन के दौरान युवती को उसके 20वें जन्मदिन से दो दिन पहले नौ फरवरी को गोली लगी थी। युवती की शुक्रवार को मौत हो गई थी। जिस अस्पताल में कड़ी सुरक्षा के बीच उसके शव को रखा गया था, उसके बाहर करीब एक हजार लोग गाड़ियों और बाइक पर इकट्ठा हुए। हालांकि, अस्पताल में युवती के बुजर्ग रिश्तेदारों को भी प्रवेश की इजाजत नहीं दी गई, जो यांगून से आए थे। जब उसका शव सौंपा गया तो अस्पताल से कब्रिस्तान तक गाड़ियों का लंबा काफिला शव के साथ था। म्यांमा के सबसे बड़े शहर यांगून में करीब 1000 प्रदर्शनकारियों ने सड़क के किनारे खड़े होकर मृत युवती के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

प्रदर्शनकारी मिन तेत नैंग ने कहा, 'मैं मीडिया के जरिये तानाशाहों और उनके सहयोगियों से कहना चाहता हूं कि हम शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी हैं। नरसंहार बंद करो। घातक हथियारों का इस्तेमाल बंद करो।÷ मांडले में भी एक बड़े प्रदर्शन का आयोजन हुआ, जहां शनिवार को पुलिस ने एक गोदी इलाके में दो प्रदर्शनकारियों को मार गिराया था। यह घटना तब हुई थी जब सुरक्षाकर्मी कर्मचारियों पर एक नाव में सामान लादने के लिये दबाव बना रहे थे। ये कर्मी भी रेल कर्मियों व ट्रक चालकों तथा कई लोकसेवकों की तरह जुंटा के खिलाफ सविनय अवज्ञा अभियान में हिस्सा ले रहे हैं। यह गोलीबारी तब हुई जब आसपास रहने वाले लोग यदानाबोन गोदी पहुंचे और कर्मचारियों के प्रदर्शन में मदद की कोशिश की। एक किशोर प्रदर्शनकारी के सिर में गोली लगी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति के सीने में गोली लगी और अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। कई अन्य लोगों के भी गंभीर रूप से घायल होने की खबर है।

प्रत्यक्षदर्शियों के विवरण और मौके की तस्वीरों से संकेत मिलता है कि रबर की गोलियों, पानी की बौछारों और गुलेल का इस्तेमाल करने के अलावा सुरक्षा बलों ने गोली भी चलाई। इन मौतों के बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय की तरफ से भी तीखी प्रतिक्रिया आई। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डॉमिनिक राब ने ट्विटर पर कहा, 'शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर गोलीबारी निंदनीय है। हम लोकतंत्र को कुचलने और विरोध के सुरों को दबाने वालों के खिलाफ अपने अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ आगे की कार्रवाई पर विचार करेंगे।' सिंगापुर ने भी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग की निंदा की है।

भारत-मालदीव के बीच हुए 5 समझौते, जयशंकर ने किया मालदीव की रक्षा मंत्री से मुलाकात

माले। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को यहां कहा कि भारत हमेशा मालदीव का एक भरोसेमंद सुरक्षा साझेदार रहेगा। भारत ने मालदीव के साथ पांच करोड़ डॉलर के रक्षा ऋण समझौते पर भी हस्ताक्षर किये हैं जिससे इस द्वीपीय राष्ट्र में नौवहन क्षेत्र में क्षमता निर्माण सुविधाओं को बढ़ावा मिलेगा। दो दिवसीय दौरे पर यहां आए जयशंकर ने मालदीव की रक्षा मंत्री मारिया दीदी से भी मुलाकात की। उन्होंने ट्वीट किया, 卐रक्षा मंत्री मारिया दीदी के साथ सौहार्दपूर्ण मुलाकात। हमारे रक्षा सहयोग पर उपयोगी आदान-प्रदान हुआ।

भारत हमेशा मालदीव का एक भरोसेमंद सुरक्षा साझेदार रहेगा।卐 उन्होंने कहा, 卐रक्षा मंत्री मारिया दीदी के साथ यूटीएफ हार्बर परियोजना समझौते पर हस्ताक्षर करने की खुशी है। इससे मालदीव की तटरक्षक क्षमताएं बढ़ेंगी और क्षेत्रीय एचएडीआर परियोजना को मदद मिलेगी। विकास में साझेदार, सुरक्षा में भी साझेदार।

इंग्लैंड में चरणबद्ध तरीके से हटेगा लॉकडाउन, बोरिस जॉनसन प्रतिबंधों को कम करने का करेंगे एलान

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन के विदेश मंत्री ने रविवार को कहा कि देश में दक्षिणी अफ्रीकी वैरिएंट से ग्रसित मरीजों की संख्या में कमी आनी शुरू हो गई है, इसलिए अब चरणबद्ध तरीके से लॉकडाउन हटाया जाएगा। बता दें कि प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन सोमवार को इंग्लैंड में प्रतिबंधों को कम करने की योजना का एलान करेंगे। विदेश मंत्री मैट हैनकॉक ने कहा कि अपेक्षा से अधिक तेजी से चल रहे टीकाकरण से ना केवल संक्रमण में कमी आई बल्कि अस्पतालों पर भी बोझ घटा है।

हैनकॉक ने कहा कि पूरे ब्रिटेन में दक्षिणी अफ्रीकी वैरिएंट से संक्रमण के तीन सौ मामले दर्ज किए गए हैं। इंग्लैंड ने संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए विदेश से आने वाले लोगों के लिए होटल क्वारंटीन का नियम भी लागू कर रखा है। उधर, सरकार ने कहा है कि जुलाई के अंत तक सभी बालिग व्यक्तियों का टीकाकरण कर दिया जाएगा। जबकि 15 अप्रैल तक पचास वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को वैक्सीन की पहली डोज लगा दी जाएगी। बता दें कि ब्रिटेन कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित होने वाला पांचवां देश है। यहां अभी तक 120,365 लोगों की मौत हो चुकी है।

नेपाल को कोरोना वैक्सीन की दस लाख खुराक और मिली

ऑक्सफोर्ड द्वारा विकसित की गई कोरोना वैक्सीन की दस लाख खुराक रविवार को नेपाल को मिली। कोरोना टीकों की खेप लेकर एयर इंडिया का एक विमान रविवार सुबह त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरा। बता दें कि नेपाल सरकार ने सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा निर्मित वैक्सीन की कुल बीस लाख खुराक खरीदने का फैसला किया है। पिछले महीने भारत ने नेपाल को कोविशिल्ड वैक्सीन की दस लाख खुराक भेंट की थीं।

इसे भी जानें

- ऑस्ट्रेलिया प्रधानमंत्री स्कॉट मारीसन ने रविवार को अमेरिकी दवा कंपनी फाइजर द्वारा तैयार कोरोना वैक्सीन की पहली डोज ली।

-चीन ने देश में निर्मित 16 कोरोना वैक्सीन के क्लीनिकल ट्रायल को मंजूरी प्रदान कर दी है।

-फ्रांस के शहर नाइस में पर्यटकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यहां लगभग एक लाख लोग रहते हैं और प्रत्येक दिन 740 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आ रही है।

-रूस में संक्रमण के 12,472 नए मामले सामने आए हैं और 417 लोगों की मौत हुई है।

जो बाइडेन प्रशासन ने बदली ट्रंप की अमेरिकी शरणार्थी नीति, अब लोगों को शरण मिलने की उम्मीद

सैन डिएगो (अमेरिका)। (एजेंसी)।

अमेरिका में शरण चाहने वाले लोगों के लिए पूरानी नीति बहाल कर जो बाइडेन प्रशासन के शनिवार को शरणार्थियों के एक जत्थे को देश में आने की इजाजत दे दी जिसके बाद मैक्सिको में लोगों के इंतजार की घड़ियां खत्म होने वाली हैं। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दशकों तक प्रभावी रही अमेरिकी शरणार्थी नीति पलट दी थी। बाइडन प्रशासन ने उसे अब बहाल कर दी है। उल्लेखनीय है कि 'रिमेन इन मैक्सिको' के तहत सक्रिय मामलों वाले अनुमानतः 25,000 लोग अमेरिका में शरण के लिए मंजूरी की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उनमें से 25 लोगों के जत्थे को अमेरिका में दाखिल होने की अनुमति दी गयी है। ये अब सीमा के दक्षिण में रहने की जगह अमेरिका में रह कर अदालती सुनवाई का इंतजार करेंगे।

अमेरिकी अधिकारियों ने लोगों को आगाह किया है कि वे सीमा पर नहीं आएं बल्कि उस वेबसाइट पर अपना पंजीकरण कराएं जिसे अगले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग शुरू कर रहा है। कोरोना वायरस महामारी के कारण मैक्सिको से आए लोगों को पृथक-वास में रखने के लिए सैन डिएगो के होटलों में ले जाया गया है। पृथक-वास की अवधि पूरी होने के बाद वे अमेरिका में अपने रिश्तेदारों, दोस्तों के पास या अन्य स्थानों पर जा पाएंगे। मैक्सिको से लगी सीमा पर भी भ्रम की स्थिति बनी है। तिजुआना सीमा पर करीब 100 लोग शुक्रवार को जमा हो गए और उन्होंने अमेरिका में दाखिल होने देने का अनुरोध किया। हालांकि अधिकारियों ने उन्हें प्रवेश देने से मना कर दिया।

कोविड-19 से जंग में भारत का कायल हुआ संयुक्त राष्ट्र, मदद के लिए जताया आभार, कहा- भारत बना वैश्विक रहनुमा

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)।

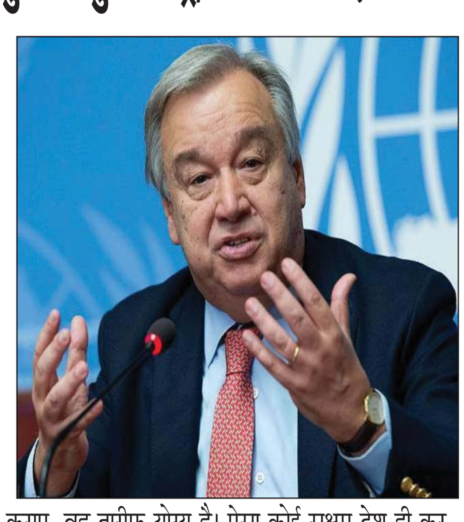

संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने कोरोना महामारी के दौरान भारतीय नेतृत्व के मानवीय दृष्टिकोण और वैक्सीन की सहायता पर आभार जताया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतेरस ने कहा कि कोरोना की जंग में भारत ने वैश्विक रहनुमाई की है। भारत के संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने भारतीय नेतृत्व की हर तरफ हो रही प्रशंसा के संबंध में ट्वीट करते हुए संयुक्त राष्ट्र का आभार जताया।

यूएन महासचिव ने भारत को एक सक्षम देश कहा

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतेरस ने कहा है कि भारत ने कोरोना महामारी के दौरान बेहतरीन काम किया है। भारत ने महामारी के मुश्किल दौर में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए जरूरी दवाइयां, जांच किट, पीपीई और वेंटीलेटर 150 देशों में जिस तरह से उपलब्ध कराए, वह तारीफ योग्य है। ऐसा कोई सक्षम देश ही कर सकता है। गुतेरस ने कहा महामारी के दौरान भारत ने वैक्सीन को तेजी के साथ विकसित किया और उसका व्यापक स्तर पर निर्माण किया। साथ ही विश्वभर में वैक्सीन लगाने के अभियान (कोवैक्स) को जिस तरह से आगे बढ़ाया, उसमें भारत ने अपनी अदभुत क्षमता का प्रदर्शन किया है। भारत का संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना को मुफ्त में दो लाख वैक्सीन डोज दिए जाने का कदम भी सराहनीय है।

229 लाख से ज्यादा वैक्सीन के डोज अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भेज चुका है भारत

इससे पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस् जयशंकर ने वैक्सीन राष्ट्रवाद की आलोचना की थी और कहा था कि दुनिया को इस कठिन दौर में अंतरराष्ट्रीयवाद की तरफ बढ़ना चाहिए। विदेश विभाग के अनुसार भारत अब तक 229 लाख से ज्यादा कोरोना वैक्सीन के डोज अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भेज चुका है। इसके अलावा भारत ने कोवैक्स अभियान के तहत अफ्रीका को एक करोड़ और अमेरिका को दस लाख वैक्सीन के डोज भेजने की योजना बनाई है।

अमेरिका परमाणु समझौते को बचाना चाहता है तो पहले प्रतिबंध हटाएः ईरान

दुबई। ईरान ने एक बार फिर दोहराया है कि अगर अमेरिका वर्ष 2015 में हुए परमाणु समझौते का बचाना चाहता है तो उसे सबसे पहले ईरान पर लगे प्रतिबंधों को हटाना होगा। तेहरान का यह बयान उसका पुराना रुख दर्शाता है, जिसमें कहा गया है कि विश्व की प्रमुख शक्तियों के साथ समझौते को बहाल करने के लिए वह पहल नहीं करेगा। बता दें कि बाइडन प्रशासन ने पिछले सप्ताह कहा था कि परमाणु समझौते में लौटने के इच्छुक ईरान के साथ वह बात करने को तैयार है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वर्ष 2018 में इस समझौते से बाहर आ गए थे और उन्होंने ईरान पर दोबारा प्रतिबंध लगा दिए थे। खास बात यह है कि दोनों ही देश विवाद निपटाना चाहते हैं, लेकिन अभी तक यह नहीं हो पाया है कि पहला कदम कौन उठाए। ईरान जहां अमेरिका से पहले प्रतिबंध हटाने की जिद ठाने है वहीं वाशिंगटन कह रहा है कि तेहरान पहले समझौते में वापस लौटे फिर कोई बात होगी। ईरान के अंग्रेजी भाषा के चैनल प्रेस टीवी से बातचीत करते हुए विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद जरीफ ने कहा, 'प्रतिबंधों को हटाने से पहले अमेरिका परमाणु समझौते को फिर से लागू नहीं कर पाएगा। समझौते में शामिल प्रत्येक पक्ष को अपना दायित्व निभाना होगा।' उन्होंने कहा, 'अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन का दावा है कि ट्रंप की अधिकतम दबाव की नीति पूरी तरह विफल रही है, लेकिन इसके इसके बावजूद उन्होंने ईरान के प्रति अपने नजरिये को नहीं बदला है।

संयुक्त राष्ट्र चीफ ने कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में भारत के नेतृत्व की सराहना की

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने कोरोना वायरस के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में नेतृत्व और वैश्विक बाजार में कोविड-19 रोधी टीकों की ''अत्यावश्यक आपूर्ति'' के प्रयासों के लिए भारत की प्रशंसा की। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने शनिवार को ट्वीट किया कि गुतारेस ने 17 फरवरी को लिखे पत्र में संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षकों के लिए कोविड-19 रोधी टीकों की ''2,00,000 खुराक की भारत की पेशकश'' के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर के प्रति ''व्यक्तिगत आभार'' प्रकट किया। तिरुमूर्ति ने ट्वीट करके संयुक्त राष्ट्र प्रमुख का आभार जताया। उन्होंने बताया कि महासचिव ने कहा है, ''वैश्विक महामारी के खिलाफ प्रयासों में भारत एक वैश्विक नेता रहा है''।

तिरुमूर्ति द्वारा ट्वीट किए गए पत्र के अंश के अनुसार, गुतारेस ने कहा कि 150 से अधिक देशों को अहम दवाइयां, नैदानिक किट, वेंटिलेटर और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण मुहैया कराके भारत वैश्विक महामारी से निपटने के प्रयासों में वास्तव में एक वैश्विक नेता रहा है। गुतारेस ने कहा, ''विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा आपातकाल में इस्तेमाल की सूची में शामिल करने के लिए हाल में जिन दो टीकों को मंजूरी दी गई है, उनमें से एक टीके को विकसित करने और उसके निर्माण में भारत के प्रयासों ने वैश्विक टीका बाजार मेंअति आवश्यक आपूर्ति मुहैया कराई है। मैं समान पहुंच सुनिश्चित करने वाले 'कोवैक्स सुविधा' को समर्थन देने एवं उसे मजबूत करने के लिए आपके प्रयासों की भी प्रशंसा करता हूं।'' कोवैक्स कोविड-19 टीकों तक समान पहुंच सुनिश्चित करने की वैश्विक पहल है। दुनिया का औषधालय कहे जाने वाले भारत ने संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षकों के लिए कोविड-19 रोधी टीकों की दो लाख खुराक भेंट करने की घोषणा की है। इससे पहले, महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने 'पीटीआई' से कहा था, '' भारतीय प्रतिनिधिमंडल की इस भेंट की घोषणा के हम बेहद आभारी हैं। संयुक्त राष्ट्र का सहयोग विभाग टीकों को बांटने का काम करेगा।''

भारत द्वारा टीके की दो लाख खुराकों को उपहार में देने का मतलब है कि संयुक्त राष्ट्र मिशन के सभी शांतिरक्षकों को टीके की आवश्यक दोनों खुराकें लग पाएंगी। संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के अनुसार विश्व में अभी कुल 12 अभियानों में कुल 94,484 कर्मी तैनात हैं। संयुक्त राष्ट्र के शांति स्थापना अभियानों में कुल 121 देशों के कर्मी तैनात है, जिनमें से सबसे अधिक सैनिक भारत के हैं। उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्री जयशंकर ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर देशों के शत्रुता उन्मूलन पर प्रस्ताव 2532 (2020) के क्रियान्वयन पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की डिजिटल खुली बहस के दौरान कहा था, ''मुश्किल परिस्थितियों में काम करने वाले संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षकों को हम दो लाख खुराक उपहार स्वरूप देने की घोषणा करना चाहते हैं।'' उन्होंने भगवत गीता का जिक्र करते हुए कहा था, ''हमेशा दूसरों का कल्याण की बात मन में रखकर अपना काम करो।'' उन्होंने बैठक में कहा था कि भारत इसी दृष्टिकोण के साथ कोविड-19 चुनौती से निपट रहा है और उन्होंने परिषद से अपील की कि वह इस चुनौती के विभिन्न आयाम से निपटने के लिए मिलकर काम करे।

जयशंकर ने परिषद को बताया था कि दुनिया का औषधालय भारत कोविड-19 के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में अग्रणी रहा है और उसने पहले ही 150 से अधिक देशों को अहम दवाइयां, नैदानिक किट, वेंटिलेटर और पीपीई मुहैया कराई हैं, जिनमें 80 देशों को अनुदान के तौर पर मदद दी गई। उन्होंने बताया था कि स्वदेश निर्मित एक टीके समेत दो टीकों के इस्तेमाल को पहले ही आपात स्थिति में इस्तेमाल के लिए अधिकृत किया जा चुका है। इसके अलावा कमसे कम 30 टीके विकास के विभिन्न चरणों में है। उन्होंने बताया था कि भारत 'टीका मैत्री' की पहल के तहत दुनिया को टीके मुहैया करा रहा है और अपने मित्रों एवं साझेदारों को टीके सीधे भेज रहा है।

मतदाता रहे उदासीन

6 नगर निगम के चुनाव में मतदाता रहे उदासीन, औसत 43 फीसदी मतदान

अहमदाबाद/सुरत ,रविवार को गुजरात के 6 नगर निगम चुनाव के लिए मतदान इक्का-दुक्का घटनाओं को छोड़कर शांतिपूर्ण माहौल खत्म हो गया। मतदाताओं की उदासीनता के चलते 6 महानगर पालिका में 43 प्रतिशत औसत मतदान हुआ। मतदान खत्म होने के साथ ही 6 नगर निगम के 2276 उम्मीदवारों का भविष्य ईवीएम में सील हो गए हैं। रविवार सुबह 7 बजे मतदान प्रक्रिया शुरू हो गई थी और शुरुआत मतदाताओं की भीड़ नजर आई, लेकिन दोपहर दोपहर होते इक्का-दुक्का मतदान केन्द्रों पर नजर आए। 6 नगर निगमों में सुबह 7 बजे से प्रारंभ हुआ मतदान शाम 6 बजे संपन्न हो गया। छुट पुट घटनाओं को छोड़ मतदान निर्विघ्न खत्म हो गया। 6 महानगर पालिकाओं में औसत 43 प्रतिशत मतदान हुआ है। जिसमें सबसे कम अहमदाबाद में 38 प्रतिशत और सबसे ज्यादा जामनगर नगर निगम में औसत 50 प्रतिशत मतदान हुआ। राजकोट में 46 प्रतिशत, सूरत में 43 प्रतिशत, भावनगर में 44 प्रतिशत और वडोदरा में 43 प्रतिशत मतदान होने की खबर है। सबसे नीरस मतदान अहमदाबाद में हुआ। 2015 के चुनाव में अहमदाबाद में 46 प्रतिशत वोट डाले गए थे जो इस बार घटकर 38 प्रतिशत पर आ गए। वडोदरा में मतदाता उदासीन रहे। वडोदरा मनपा के गत चुनाव में 48 प्रतिशत वोटिंग हुई थी और आज 43 प्रतिशत मतदान हुआ। हांलाकि सूरत में गत चुनाव के मुकाबले आज ज्यादा वोटिंग हुई। 2015 में सूरत मनपा चुनाव में 39 प्रतिशत वोटिंग हुई थी, वहीं आज 43 फीसदी वोट डाले गए। राजकोट मनपा में गत चुनाव में 49 प्रतिशत के मुकाबले इस बार 46 प्रतिशत मतदान हुआ। जामनगर मनपा में गत चुनाव में 56 फीसदी वोट पडे थे और मौजूदा में चुनाव 50 प्रतिशत मतदान हुआ।

भावनगर नगर निगम में गत चुनाव 47 फीसदी मतदान हुआ था और आज 44 प्रतिशत वोटिंग हुई।

वोटिंग खत्म होने के बाद राज्य के चुनाव आयुक्त संजय प्रसाद ने शांतिपूर्ण माहौल में मतदान संपन्न होने पर मतदाता, राजनीतिक दलों, पुलिस-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि मतदान के दौरान कोई बड़ी घटना की शिकायत आयोग नहीं मिली।

इस मौके पर संजय प्रसाज ने 28 फरवरी को राज्य के पालिका-पंचायत के चुनाव में भारी मतदान करने की मतदाताओं से अपील की है। आज संपन्न हुए नगर निगम चुनाव की मतगणना 23 फरवरी को होगी।

रांदेर में खेला गया खूनी खेल।
देर रात घातक हथियारों से दो लोगो पर हमले में एक की मौत।

सूरत,रांदेर इलाके में गत देर रात को खेले गए खूनी खेल की घटना से अगर इलाके में अफरातफरी मच गई।घातक हथियार लेकर आये टोले ने दो लोगो पर जानलेवा हमला कर दिया।जिसमें गंभीर रूप से घायल एक युवक की मौत हो गई जबकि एक को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।इतना ही नही बदमाशो ने कार में भी तोड़फोड़ कर दी।घटना के चलते पुलिस भी दौड़ती हो गई।बताया जा रहा है कि हमले के शिकार दोनो युवक दोस्त थे।

सुत्रो से मिली जानकारी के अनुसार अमरोली के ओम रेसीडेंसी में रहनेवाले सुनील वेंकटरमण अय्यर जिम चलाता है।गत रात उंसे मित्र जिग्नेश फोन करके कहा कि उसका झगड़ा हो रहा और जल्दी आये और उंसे जहांगीरपुरा बुलाया। जिससे सुनील तुरंत गाड़ी लेकर तुरंत जिग्नेश के पास पहुचा।यहां से दोनों रांदेर के उगत रोड गए औ॰ वहां गाड़ी खड़ी करके बाहर निकले तभी १५ से २० लोगों का टोला आया और घातक हथियारों से दोनो पर टूट पड़ा।दोनो अपनी जान बचाते हुए यहां वहां भाग रहे थे उस दौरान कार में छुपते समय बदमाशो ने कार में तोड़फोड़ करके पूरे इलाके में आतंक मचा दिया।हमला करके बदमाश वहां भाग निकले जबकि घायल युवकों को हॉस्पिटल में ले जाया गया जहां एक युवक की मौत हो गई।जबकि इस हमले के बाद ये जानकारी भी सामने आई है कि हमलावर कोई गैंग है।पुलिस ने मामला दर्ज करके आगे की कारवाई शुरूकी है।

कांग्रेस विधायक का लव जिहाद पर विवादित बयान, बाद में मांगी माफी

देवभूमि द्वारका, खंभालिया से कांग्रेस विधायक लव जिहाद को लेकर बयान देना महंगा पड़ गया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद विक्रम माडम को माफी मांगनी पड़ी। गुजरात में स्थानीय निकाय चुनाव चल रहे हैं। आज को राज्य के ६ नगर निगम चुनाव के लिए वोटिंग के बाद अगले रविवार 28 फरवरी को राज्य की 81 नगर पालिका, 31 जिला पंचायत 231 तहसीलों पंचायतों में वोट डाले जाएंगे।

पालिका-पंचायतों के चुनाव में मतदाताओं को रिझाने में नेता कोई कसर नहीं छोड़ रहे। कभी कभार ऐसे बयान दे देते हैं कि बाद में उसके लिए माफी मांगनी पड़ती है। ऐसी ही घटना देवभूमि द्वारका से सामने आई है, जिसमें कांग्रेस विधायक विक्रम माडम लव जिहाद को लेकर दिए बयान पर ऐसे फंसे के बाद में उन्हें वीडियो जारी कर माफी मांगनी पड़ी। खंभालिया से विधायक विक्रम खंभालिया ने मुस्लिम इलाके में सभा को संबोधित करते हुए कोई गरीब लड़का विधर्मी के साथ शादी करे तो उसका विरोध किया जाता है। लेकिन सैफअली खान ने करीना कपूर से शादी कर ली, तब किसी ने विरोध किया।

सैफ और करीना की शादी का विरोध क्यों नहीं किया जाता। आखिर लव जिहाद कानून की जरूरत क्या है? गरीब लड़का विधर्मी लड़की से शादी करे तो उसका विरोध करने के लिए? उन्होंने कहा कि मेरे आहिर समाज की लड़की ने मुस्लिम युवक के साथ शादी है।

18 साल की होने पर लड़की शादी के लिए स्वतंत्र है, उसे तय करने दो कि वह किसके साथ जीवन बिताना चाहती है।

विक्रम माडम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद खाकर आहिर समाज भड़क उठा और उनसे अपने बयान के लिए माफी मांगने की मांग की।

समाज में आक्रोश देख विक्रम माडम ने अपने बयान के लिए माफी मांगी और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। जिसमें माडम ने कहा कि समाज से महान कोई नहीं हो सकता।

मैंने एक सवाल के जवाब में केवल देश के कानून की जानकारी दी थी। जिससे आहिर समाज या हिन्दू समाज की भावनाएं आहत हुई हैं तो उसके मैं क्षमा चाहता हूं।

गृह मंत्री अमित शाह ने मोटेर स्टेडियम में आला अफसरों के साथ बैठक की

अहमदाबाद,केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद के विश्व के सबसे बड़े मोटेरा स्टेडियम का दौरा किया। अमित शाह करीब 5 घंटे स्टेडियम में रहे और इस दौरान अधिकारियों के साथ बैठक की। सुबह 11 बजे से शाम 4.30 बजे तक अमित शाह ने गृह विभाग और पुलिस के आला अफसरों के साथ बैठकें की। बैठक में परिमल नथवाणी और धनराज नथवाणी भी शामिल हुए। माना जा रहा है कि अमित शाह ने बैठक में आगामी क्रिकेट मैच और स्टेडियम के उदघाटन को लेकर अधिकारियों से चर्चा की। मैच के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी डीजीपी समेत वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बता दें कि राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद आगामी 24 फरवरी को मोटेरा स्टेडियम का विधिवत उदघाटन करने वाले हैं। उदघाटन के बाद उसी दिन से भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। 1.10 लाख दर्शकों की क्षमता वाले विश्व के इस सबसे बड़े मोटेरा स्टेडियम में गत 24 फरवरी 2020 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की उपस्थिति में नमस्ते ट्रम्प कार्यक्रम हुआ था।

सार-समाचार

अमित शाह ने मतदान के बाद कहा मतदाता विकास पर ही लगाएंगे मुहर

अहमदाबाद नगर निगम चुनाव में केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने रविवार को सपरिवार मतदान किया। अहमदाबाद के नारणपुरा वार्ड की संघवी स्कूल में अमित शाह अपनी धर्म पत्नी, पुत्र, पुत्रवधु और पोती के साथ मतदान करने पहुंचे। मतदान करने के बाद अमि शाह ने जीत का विश्वास व्यक्तकरते हुए कहा कि गुजरात में स्थानीय निकाय चुनाव की आज से शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे उस वक्तसे शहरी और ग्रामीण समेत समूचे राज्य की एक विकासयात्रा शुरूहुई थी। गुजरात का जंगल क्षेत्र हो या पहाडी इलाका, तटीय क्षेत्र हो, शहर हो या गांव सभी के विकास के लिए शुरुहुई यात्रा लगातार जारी है और गुजरात की विकास यात्रा देशभर के लिए अनुकरणीय है। आज गुजरात ही नहीं देश के कई राज्यों में तेज विकास हो रहा है। अमित शाह ने विश्वास व्यक्तकिया कि आज गुजरात के 6 नगर निगमों के मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर विकास पर मुहर लगाएंगे। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने देशभर में परचम लहराया है और जहां से इसकी शुरुआत हुई है, उस गुजरात में फिर एक बार भाजपा की शानदार जीत होगी।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कोरोना को मात दी,
राजकोट में सपत्निक किया मतदान

राजकोट,अहमदाबाद के यूएन मेहता होस्पिटल में उपचाराधीन मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की आरटी पीसीआर रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। अस्पताल से चार्टर्ड प्लेन के जरिए राजकोट पहुंचकर मुख्यमंत्री ने सपत्नीक मतदान किया।

मतदान के बाद पत्रकारों से बातचीत में रूपाणी ने कहा कि कोरोना से स्वस्थ हो चुका हूं और मेरे ठीक होने के लिए लगातार प्रार्थना करने वाले लोगों के प्रति आभार व्यक्तकरता हूं।

कोरोना को मात देकर मैं बहुत जल्द स्वस्थ हो गया हूं। उन्होंने कहा कि गुजरात में कोरोना संक्रमित मरीज तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं और राज्य रिकवरी रेट 97 प्रतिशत को पार कर गया है। रूपाणी ने कहा कि राजकोट समेत सभी नगर निगमों में शांतिपूर्ण मतदान हो रहा है। वैसे भी गुजरात शांतिप्रिय राज्य है और यहां के लोग गुजरात की प्रतिष्ठा पर आंच नहीं आने देते।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्ववाली केन्द्र सरकार समूचे देश का विकास कर रही है और राज्य सरकार गुजरात का विकास कर रही है। उन्होंने कहा कि मेरे शहर, मेरे गांव और मेरे जिले का विकास भाजपा द्वारा ही संभव है।

क्योंकि भाजपा और विकास दोनों एक-दूसरे के पर्याय हैं। चुनाव में विकास ही मुख्य मुद्दा है और नगर निगम चुनाव में मतदाताओं ने अकल्पनीय फैसला दे दिया है।

विजय रूपाणी ने दावा किया कि पालिका-पंचायतों के चुनाव में भी कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केरल में विजय यात्रा: CPM-कांग्रेस पर भड़के CM योगी, कहा- इन्होंने केवल जनभावनाओं के साथ किया खिलवाड़

कासरगोड/लखनऊ :

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ती जा रही है। ऐसे में केरल में वामपंथी पार्टियों और कांग्रेस का पत्ता साफ करने के लिए भारतीय जनता पार्टी जुटी हुई है। इसी क्रम में बीजेपी ने %विजय यात्रा% की शुरूआत कर दी है। मुस्लिम बहुल कासरगोड जिले से शुरू हुई इस यात्रा में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए और वामपंथी पार्टी CPM व कांग्रेस के खिलाफ हुंकार भरी।

यहां BJP विपरीत परिस्थितियों में कर रही काम

सीएम योगी ने कहा कि आदिशंकर गुरु की केरल की धरती पर आने पर हमको गौरव की अनुभूति मिलती है क्योंकि भारत की अखंडता में केरल का बहुत योगदान है। उन्होंने कहा मैं केरल की धरती पर जन्मे पूज्य सन्तो का उत्तर प्रदेश की ओर से बहुत बहुत नमन करता हूं। सीएम ने कहा भाइयों बहनों केरल के अंदर भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता जिन विपरीत परिस्थितियों में काम कर रहा है वो आपकी भारत माता के प्रति आपकी निष्ठा को दिखाता है।जिस तरह आप छ्क्ररू के खिलाफ कार्य कर रहे हैं ये अभूतपूर्व है।

यहां कांग्रेस-CPM ने केवल अराजकता फैलाई

सीएम योगी ने कहा कि केरल के अंदर सीपीएम की सरकार हो या इससे पहले कांग्रेस की सरकार रही हो इन लोगों ने सिर्फ अराजकता ही फैलाई, इसी धरती पर केरल की न्यायालय ने लव जिहाद को लेकर चेताया था,लेकिन यहां की सरकार ने आज तक कोई काम नहीं किया। लेकिन उत्तर प्रदेश के अंदर कुछ ही मामले आये थे,हमने उसपर तुरन्त कानून बनाने का काम किया है। केरल के अंदर वर्तमान सरकार कैसे जनभावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है,इसका उदाहरण सबरीमाला है।

भारत की अखंडता पर लगातार चोट कर रही CPM-कांग्रेस

राज्य सरकार पर भड़कते हुए उन्होंने कहा कि केरल जैसे स्टेट में धार्मिक स्थलों मंदिरों को तोड़कर किस तरह जनभावनाओं के खिलाफ काम हो रहा है, उसे देख सकते हैं। वहीं हमने उत्तर प्रदेश में जनभावनाओं के अनुरूप भगवान राम का भव्य मंदिर निर्माण करके जनभावनाओं का सम्मान किया है। दरअसल अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए सीपीएम की सरकार तमाम देशविरोधी संगठनों को पालन पोषण कर रही है जो भारत की अखंडता पर लगातार चोट करने का प्रयास करते हैं।

बीजेपी कार्यकर्ताओं को मेरी शुभकामना...जय श्री राम

इसके साथ सीएम योगी ने कहा कि बीजेपी विजय की ओर अग्रसर होगी, त्रिपुरा, मणिपुर, असम, अरुणाचल प्रदेश इसका उदाहरण है, केरल के अंदर भी बीजेपी कार्यकर्ता त्याग भावना के साथ आगे बढ़ रहे हैं...मेरी शुभकामनाएं, जय जय श्रीराम।

उप्र : बच्चों के स्वागत के लिए तैयार हैं प्राथमिक स्कूल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के प्राथमिक सरकारी स्कूल 1 मार्च से बच्चों का स्वागत करने के लिए कमर कस रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कक्षा 1 से 5 के लिए स्कूलों को फिर से खोलने का आदेश दिया है। महामारी के कारण एक साल के विराम के बाद स्कूलों के फिर से खुलने के पहले दिन छात्रों का स्वागत करने के लिए रंग-बिरंगे गुब्बारों, फूलों और त्योहारों से स्कूलों को सजाने की तैयारी जोरों पर चल रही है। बेसिक शिक्षा विभाग ने सभी स्कूलों को ऐसा माहौल बनाने के लिए निर्देशित किया है जो छात्रों को कक्षाओं में लौटने के लिए प्रोत्साहित करे। जो छात्र लगभग एक साल से स्कूल से दूर हैं और इस अवधि के दौरान ऑनलाइन कक्षाओं में भाग ले रहे हैं, जब वे अपने स्कूल आएंगे तो कई आश्चर्यजनक बदलाव की उम्मीद कर सकते हैं। कक्षाओं और गेटों की रंगीन सजावट के अलावा छात्रों को कोरोना की वैक्सीन भी लगाई जाएगी। लखनऊ बीएसए (बेसिक शिक्षा अधिकारी) दिनेश कुमार के अनुसार, शिक्षकों को उत्सव का माहौल बनाने के लिए स्कूलों को सजाने के निर्देश दिए गए हैं ताकि बच्चे लंबे अंतराल के कारण स्कूल परिसर में फिर से प्रवेश करने में संकोच न करें। स्कूली बच्चों के लिए सुरक्षित पेयजल की भी व्यवस्था की जा रही है। स्कूलों को इस उद्देश्य के लिए सबमर्सिबल पंप लगाने के लिए निर्देशित किया गया है। उल्लेखनीय है कि राज्य में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित डेढ़ लाख स्कूलों में 1.83 करोड़ से अधिक छात्र पढ़ते हैं। इसके अलावा, योगी आदित्यनाथ की पहल पर कोविड-19 महामारी के दौरान एक लाख से अधिक स्कूलों में पहले ही बदलाव हो चुका है। स्कूलों को रंगीन चित्रों और सार्थक स्लोगन से सजाया गया है। स्मार्ट कक्षाओं और पुस्तकालयों के लिए स्कूलों को सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है।

यूपी के 25 लाख किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड से लिंक किया जाएगा

लखनऊ। किसानों की आय दोगुनी करने के मकसद से, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 25 लाख से अधिक किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना से जोड़ने का कदम उठाया है। केसीसी के तहत किसानों को बीज, सिंचाई, फसल उत्पादन, भूमि की तैयारी, उर्वरकों और अन्य आवश्यकताओं के लिए रियायती दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाता है। इससे कृषि क्षेत्र में चल रहे पूंजी संकट का समाधान होगा जो फसलों के उत्पादन और बिक्री को सीधे प्रभावित करता है। योगी सरकार ने किसानों को केसीसी के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान कर फसल के मौसम से पहले नकदी की कमी जैसे मुद्दों को दूर करने में मदद करने के लिए प्रभावी उपाय किए हैं। परिणामस्वरूप, राज्य के किसान अपनी उपज का उचित मूल्य पाकर फल-फूल रहे हैं। एक सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि स्वामीनाथन समिति के अनुसार, सरकार ने फसल खर्च से संबंधित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 64,000 करोड़ रुपये की राशि खर्च की है। इसमें फसलों की खरीद की पारदर्शी प्रक्रिया और 72 घंटों के भीतर किसानों के खाते में भुगतान शामिल है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत लगभग 2.42 करोड़ किसानों को अब तक 27,101 करोड़ रुपये मिले हैं। इस परियोजना के अधिकांश लाभार्थी उत्तर प्रदेश के किसान हैं। किसानों को वित्तीय संकट से राहत दिलाने के लिए, योगी सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में 36,359 करोड़ रुपये के ऋण माफ किए थे। तब से, राज्य में किसानों की स्थिति में सुधार के लिए सरकार लगातार काम कर रही है।

बच्चों को यौन अपराधों के खिलाफ जागरुक करने लखनऊ यूनिवर्सिटी चला रही अभियान

लखनऊ। यौन अपराधों के खिलाफ बच्चों और किशोरों को जागरुक करने के लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी मिशन शक्ति के तहत कई आयोजन कर रही है। इसके लिए एक नाटक का मंचन, विचार-विमर्श और पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इनके जरिए छात्रों को बताया जाएगा कि उनके साथ यौन अपराध होने पर वे किन लोगों को इसकी सूचना देंगे। इसके अलावा बाल दुर्व्यवहार के मामले में क्या कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। मिशन शक्ति की कोआर्डिनेटर प्रो. शीला मिश्रा ने कहा, हमने यह कार्यक्रम इस तरह बनाए हैं कि वे युवाओं को आकर्षित करे ताकि वे किशोरावस्था में होने वाले यौन अपराधों और बाल यौन शोषण के बारे में जानने और समझने के लिए हमसे जुड़ें। पहला आयोजन रविवार को होगा और इसमें लोकप्रिय टीवी शो सत्यमेव जयते के एपिसोड पर चर्चा होगी जिसमें इस मुद्दे को उजागर किया गया है। मिश्रा ने कहा, हमने चर्चा के लिए टीवी शो को इसलिए चुना है ताकि छात्र हमसे आसानी से जुड़ सकें। इस कार्यक्रम में जानी-मानी मनोवैज्ञानिक आनंदना त्रिवेदी महिलाओं और संस्कृति पर अपनी बात भी रखेंगी। इसके बाद पोस्टर मेकिंग कॉम्पटीशन और फिर नाटक का मंचन होगा।

तेलंगाना के कांग्रेस नेता ने छोड़ी पार्टी, भाजपा में शामिल होने की तैयारी

हैदराबाद। तेलंगाना में विपक्षी कांग्रेस को एक और करारा झटका लगा है। पूर्व विधायक और पार्टी के मेडचल मलकजगिरी के जिला अध्यक्ष के. श्रीशैलम गौड़ ने आज कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया। अब वे भाजपा में शामिल होने जा रहे हैं। गौड़ ने कहा कि वह पार्टी के पदों और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं। वे पिछले 6 सालों से राज्य में पार्टी की स्थिति को लेकर चिंतित थे। गौड़ ने कहा कि विपक्ष में होने के बावजूद कांग्रेस लोगों के मुद्दों को उठाने में विफल रही है। इस्तीफा देने के बाद गौड़ कुछ भाजपा नेताओं के साथ नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए। अब उनके भाजपा में शामिल होने की संभावना है क्योंकि पिछले कुछ दिनों से वे भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डी.के.अरुण और राज्य में पार्टी अध्यक्ष बांदी संजय कुमार से संपर्क में थे। वह हाल ही में हुए ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के चुनावों में कांग्रेस के बुरे प्रदर्शन से भी निराश थे। गौड़ कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले दूसरे नेता हैं। इससे पहले दिग्गज अभिनेता और पूर्व सांसद विजयशांति ने दिसंबर 2020 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया था। श्रीशैलम गौड़ ने 2009 में कांग्रेस से टिकट न मिलने पर कुथुबुल्लापुर विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था। बाद में वह कांग्रेस के सहयोगी सदस्य बन गए थे। इसके बाद 2013 में वह वाईएसआर कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए थे लेकिन कुछ ही महीने बाद कांग्रेस में लौट आए थे। 2014 और 2018 में उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए।

यूपी में प्रियंका के प्रचार से कांग्रेस को मिल सकती है मजबूती

नई दिल्ली।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश में केवल एक सीट पर सिमट कर रह गई थी। अब अपनी खोई जमीन को दोबारा हासिल करने के लिए पार्टी एड़ी-चोटी को जोर लगा रही है। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा प्रदेश में सियासी समीकरणों को बदलने एवं सत्तारूढ़ भाजपा के लिए कांग्रेस को मुख्य चुनौती बनाने की कोशिशों के साथ विभिन्न वर्गों के लिए प्रचार में जुटी हैं। समाज के हाशिए पर खड़े लोगों को लुभाने के लिए वह कांग्रेस को भाजपा के लिए एक गंभीर चुनौती बनाने की कोशिश कर रही हैं। पश्चिमी यूपी में किसानों के मुद्दे को उठाने के बाद वह अब पूर्वी यूपी में मछुआरों के हित के लिए काम कर रही हैं। उनका पूरा ध्यान अब अन्य पिछड़ा वर्ग - निषाद समुदाय पर है, जो कभी समाजवादी पार्टी तो कभी बहुजन समाज पार्टी के साथ खड़ा था और अब भारतीय जनता पार्टी के साथ खड़ा है। गौरतलब है कि प्रियंका गांधी ने हाल ही में मौनी अमावस्या पर प्रयागराज में त्रिवेणी संगम पर पवित्र स्नान किया था और नाविक सुजीत निषाद की नाव में यात्रा की थी, जिसने उन्हें स्थानीय नाविकों पर हो रहे अत्याचारों की जानकारी दी थी। उन्होंने आश्वासन दिया था कि कांग्रेस नाविकों के अधिकारों के लिए कानूनी रूप से लड़ेगी और जब पार्टी सत्ता में आएगी, तो नाविकों को जमीन दी जाएगी। अपनी प्रयागराज यात्रा के बाद कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि केवल कांग्रेस गरीबों के दर्द को समझती है। प्रियंका गांधी को नए सिरे से शुरू करना होगा, चाहे पंचायत चुनाव हों या स्थानीय निकाय चुनाव, अथवा अगले साल विधानसभा चुनाव।

कांग्रेस देश के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य में पैर जमाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। वह तीन दशकों से सत्ता से बाहर है।

किसानों के आंदोलन को प्रोत्साहन मिला है, लेकिन चुनाव तक इसे बनाए रखना मुश्किल काम है और भाजपा के आक्रामक हिंदुत्व का मुकाबला करना भी पार्टी के लिए एक बड़ी चुनौती है। लेकिन, प्रियंका गांधी लड़ रही हैं, और भाजपा पर निशाना साध रही हैं। शनिवार को एक भाषण में उन्होंने कहा था कि हमारी पुरानी कहानियों में, राजा और रानी सत्ता जीतने के बाद अभिमानी हो जाते थे। दो बार प्रधानमंत्री बनने के बाद, पीएम भी अहंकार दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को किसानों का सम्मान करना चाहिए। मोदीजी ने उन किसानों से बात क्यों नहीं की, जिन्होंने उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में चुना था? किसानों के साथ बातचीत शुरू की जानी चाहिए और उनकी समस्याओं को हल किया जाना चाहिए।

उत्तराखंड : धौलीगंगा-ऋषिगंगा में बढ़ा जलस्तर, चमोली में खतरे की आशंका

देहरादून

उत्तराखंड में बाढ़ के कारण झील बनने के बाद ऋषिगंगा और धौलीगंगा नदियों के जलस्तर में वृद्धि हुई है, जो चमोली जिले के लिए एक नया खतरा पैदा कर सकती है. एनटीपीसी के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि एक अनुमान के अनुसार धौलीगंगा और ऋषिगंगा नदियों का नदी तट 7 फरवरी के जल-प्रलय के बाद विशेष रूप से तपोवन क्षेत्र में कुछ मीटर बढ़ गया है. उन्होंने कहा कि बाढ़ के बाद हमने नदी के तल में काफी वृद्धि देखी है, जो हमारे लिए एक बड़ा मुद्दा है. नदी तल में वृद्धि के कारण क्षेत्र में लापता लोगों के लिए खोज अभियान में बाधा आ रही है. अधिकारी ने कहा कि नदी के आसपास के विशाल मलबे को हटाना और शवों की खोज करना बहुत मुश्किल हो गया है. जिला मजिस्ट्रेट स्वाति भदौरिया ने कहा कि वह केवल प्रामाणिक अध्ययन के बाद ही नदी के तल में वृद्धि के बारे में कह सकती हैं. उन्होंने कहा, फिलहाल मैं नहीं कह सकती कि नदी का तल कितना बढ़ गया है. गौरतलब है कि 13.2 मेगावाट की ऋषिगंगा परियोजना को पूरी तरह से नष्ट करने और एनटीपीसी के तपोवन बांध को नुकसान पहुंचाने वाली ऋषिगंगा नदी में जलप्रलय के बाद लगभग 204 व्यक्ति लापता हो गए. इस बीच, वैज्ञानिक और अन्य एजेंसियां लगातार चमोली जिले में 14,000 फीट की ऊंचाई पर ऋषिगंगा झील पर बारीकी से नजर रख रही हैं. अशांत ऋषिगंगा नदी के जलग्रहण क्षेत्र में बनने वाली झील से काफी प्रवाह के बावजूद राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के जवान भी अलर्ट पर हैं. विभिन्न एजेंसियों के शीर्ष वैज्ञानिकों की एक टीम भी झील के क्षेत्र में अवलोकन के लिए डेरा डाले हुए है. नौसेना के गोताखोरों ने क्षेत्र और इसकी गहराई का निरीक्षण करने के लिए एक सर्वेक्षण भी किया है. ऋषिगंगा झील के किनारे पैंग और अन्य क्षेत्रों में एसडीआरएफ के कर्मचारी भी ऋषिगंगा नदी के प्रवाह की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं. इसके अलावा, नदी के किनारे अलर्ट सेंसर भी लगाए गए हैं.

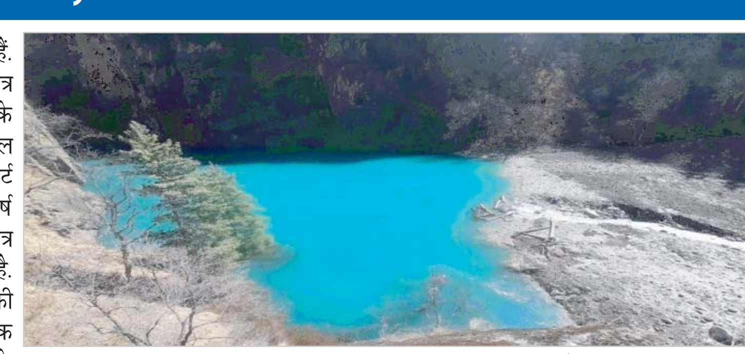

एसडीआरएफ के अधिकारियों ने बताया कि झील 750 मीटर लंबी है और इसमें काफी पानी है जो ऋषिगंगा नदी के बहाव क्षेत्र के लिए एक बड़ा खतरा बन सकता है. गौरतलब है कि झील से भी काफी पानी डिस्चार्ज हो रहा है, जिसे राहत के तौर पर देखा जा रहा है. सरकार ने वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी और जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के वैज्ञानिकों को झील क्षेत्र में भेजा है जहां वे भावी कार्रवाई के लिए एक रिपोर्ट तैयार करेंगे.

बनारस के घाट पर गंगा आरती के लिए लेनी होगी अनुमति

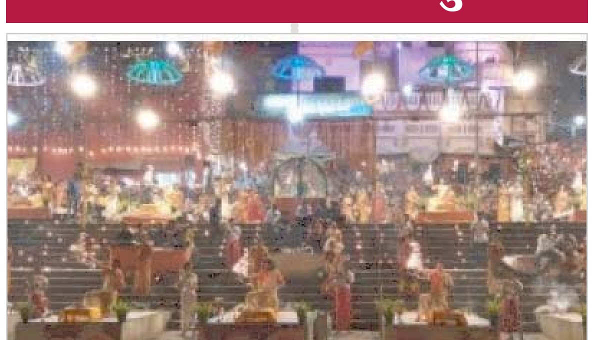

वाराणसी (यूपी)।

वाराणसी के विभिन्न घाटों पर गंगा आरती कराने वाले सामाजिक संगठन और यहां तक सामान्य नागरिकों को भी अब वाराणसी नगर निगम (वीएमसी) में पंजीकरण कराना होगा। जिला प्रशासन द्वारा रिवरफ्रंट पर अतिक्रमण की जांच करने का निर्णय लिया गया है, जो एक सार्वजनिक संपत्ति है। नगर निगम के अधिकारियों को भी गंगा आरती के रिकॉर्ड तैयार करने के लिए कहा गया है। जिला मजिस्ट्रेट कौशल राज शर्मा ने नगर निगम के अधिकारियों से गंगा आरती के रिकॉर्ड तैयार करने और पंजीकरण प्रक्रिया को मार्च अंत तक पूरा करने को कहा है। इसके बाद, वीएमसी के पंजीकरण और पूर्व अनुमति के बिना घाटों पर ऐसी किसी भी गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिलाधिकारी ने वीएमसी को लिखे पत्र में कहा, रिवरफ्रंट राज्य सरकार के स्वामित्व वाली एक सार्वजनिक संपत्ति है और वाराणसी नगर निगम द्वारा इसकी देखभाल की जाती है। उन्होंने कहा, यह देखा गया है कि काफी बार गंगा आरती को लेकर कुछ लोग विवाद करते हैं। नगर निगम को घाटों पर गंगा आरती के आयोजन के लिए एक विशिष्ट नियम तैयार करना चाहिए। वीएमसी को जगह के आवंटन के साथ आरती आयोजकों को पंजीकृत करना चाहिए, जिसे हर साल नवीनीकृत किया जाना चाहिए। इसके अलावा, यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि वीएमसी की अनुमति के बिना किसी भी व्यक्ति या संगठन द्वारा कोई आरती का आयोजन न कर पाए।

मातृभाषा के जरिये पढ़ाई जल्दी सीखते हैं छात्र : डॉ. निशंक

नई दिल्ली।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय, केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय और इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट्स द्वारा मातृभाषा दिवस के अवसर पर एक विशेष सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार का शीर्षक शिक्षा और समाज में समावेश के लिए बहुभाषावाद को बढ़ावा देना था। इस सेमिनार को संबोधित करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि मातृभाषा हर छात्र के लिए बेहद जरूरी है। शिक्षा मनोविज्ञान में हुए अनुसंधानों से यह बात साबित होती है कि मातृभाषा में बच्चे जल्दी और ज्यादा सीखते हैं। मातृभाषा में शिक्षा ग्रहण करने से वो आनंद का अनुभव प्राप्त करते हैं और इतना ही नहीं छात्रों के आत्म-सम्मान में भी बढ़ोत्तरी होती है। इसके अलावा केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने मातृभाषा के लिए केंद्र सरकार की गंभीरता के बारे में बात करते हुए कहा, मातृभाषा की महत्ता से केंद्र सरकार भलीभांति अवगत है। मातृभाषा को बढ़ावा देने के लिए ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार द्वारा देश की तमाम भाषाओं के संरक्षण और विकास के लिए अनेक प्रकार के कदम उठाए गए हैं। डॉ. निशंक ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा के विकास के लिए दिए गए प्रावधानों के बारे में बताते हुए कहा कि भारत एक बहुभाषी देश है जहां 121 से अधिक भाषाएं प्रचलित हैं। हालाकि, यहां की 97 फीसदी से अधिक आबादी उन 22 भाषाओं का प्रयोग करती है जिन्हें अनुसूचित भाषाएं कही जाती हैं। हमारी नई शिक्षा नीति में कई ऐसी योजनाओं का प्रावधान दिया गया है जिनसे भारत में एक बहुभाषिक समाज के निर्माण में सहायता मिलेगी जो तकनीकी ज्ञान के भार का वहन करने की क्षमता रखेगा।उन्होनें केंद्र सरकार द्वारा भाषा विकास एवं भाषा संवर्धन की विभिन्न योजनाओं के बारे में भी सबको बताया। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

श्रीनगर में मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल चलाने वाले संगठन पर आईटी का छापा

जम्मू । आयकर विभाग ने श्रीनगर में 100 से अधिक बिस्तरों वाले सबसे बड़े निजी मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल का संचालन कर रहे एक संगठन पर तलाशी और जब्ती अभियान चलाया है। संगठन पर 2013-14 के बाद से बेहिसाब संपत्ति 100 करोड़ से अधिक की नकदी के लेनदेन का आरोप है। आयकर विभाग ने हालांकि उन अस्पतालों एवं संगठन का नाम नहीं बताया जिनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। विभाग ने रविवार को कहा कि शुक्रवार को श्रीनगर के चार आवासीय स्थल परिसरों में तलाशी की गई। जिस संगठन के खिलाफ तलाशी अभियान चलाया गया है, उसके मुख्य व्यवसाय में अस्पताल, रियल एस्टेट और घरेलू उपयोग की वस्तुओं का व्यापार शामिल है। विभाग ने एक बयान में कहा कि यह संगठन कम कीमत पर भूखंड खरीदता है, धीरे-धीरे उनका संकलन करता है। इसके बाद वह छोटे-छोटे प्लॉट करके उन्हें बेचता है। बयान में कहा गया है कि सबूतों से पता चला है कि यह संगठन खरीददारों से (संपत्ति के पंजीकृत मूल्य से अधिक और ऊपर) 50 प्रतिशत की राशि कैश में लेता था। तलाशी अभियान के दौरान इन्हें जब्त कर लिया गया है।संगठन ने 2013-14 के बाद से नकद में 100 करोड़ रुपये से अधिक की बेनामी संपत्ति का लेनदेन किया है। भूखंडों के खरीदारों द्वारा बैंकिंग चैनलों के माध्यम से किए गए भुगतान या निवेश भी जांच के दायरे में हैं क्योंकि आय के आधार पर दिए जाने वाले कर के अनुसार निवेश नहीं किया गया है। इस प्रकार मामलों के तथ्यों के आधार पर कर केवल विक्रेता समूह पर नहीं, बल्कि खरीदारों पर भी लगाया जाएगा। भूमि और भूखंडों की लगभग सभी खरीद और बिक्री पर टीडीएस का पर्याप्त डिफॉल्ट है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)